पटना ●गुरुवार , 3 अप्रैल 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 6 , अंकः85 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDERNEWSMIRROR BNM to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नही"

रामनवमी को लेकर डीएम और एसपी.. 3 www. bordernewsmirror.com 37 साल पहले आया माधुरी... 7

छठवां स्वरूप कात्यायनी

सूक्ष्म जगत जो अदृश्य, अव्यक्त है, उसकी सत्ता मां कात्यायनी चलाती हैं। वह अपने इस रूप में उन सब की सूचक हैं, जो अदृश्य या समझ के परे है। मां कात्यायनी दिव्यता के अति गुप्त रहस्यों की प्रतीक हैं।

वक्फ बिल के समर्थन में सड़कों पर उतरीं बुर्का पहनीं महिलाएं

● ढोल-नगाड़े भी बजे, हाथों में गुलाब और 'शुक्रिया मोदी जी' के बैनर से किया समर्थन

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के भोपाल में बुधवार को एक अनोखा नजारा देखने को मिला। बुर्का पहने महिलाएं, हाथों में गुलाब और 'थैंक यू मोदी जी' के प्लेकार्ड लिए सड़कों पर उतर आए। ये सभी वक्फ संशोधन विधेयक के समर्थन में इकट्ठा हुए थे। केंद्र सरकार ने इस विधेयक को लोकसभा में पेश किया है। इस विधेयक का उद्देश्य देशभर में वक्फ बोर्डों के स्वामित्व वाली संपत्तियों को विनियमित करने वाले कानूनों में बड़े बदलाव लाना है। शहर के विभिन्न मुस्लिम समुदायों ने विधेयक के समर्थन में रैलियां निकालीं। बड़ी संख्या में मुस्लिम महिलाओं ने भी प्रदर्शनों में भाग लिया और 'थैंक यू, मोदी जी' लिखे पोस्टर पकड़े थे। भोपाल में हताई खेड़ा डैम के पास भी आनंदपुरा कोकता के मुस्लिम समाज

के लोग हाथों में पोस्टर और फूल लेकर प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देते दिखे। लोग ढोल बजाकर और आतिशबाजी करके अपनी खुशी का इजहार कर रहे हैं। यह बिल वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को बेहतर बनाने और दुरुपयोग को रोकने के लिए है। वक्फ संशोधन बिल 2024, वक्फ अधिनियम 1995 में कुछ बदलाव करने के लिए लाया जा रहा है। लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल 2024 पेश किया गया। इस बिल को लेकर सदन में खूब बहस हुई। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने बिल पेश करते हुए कहा कि अगर ये बिल पास नहीं होता तो संसद भवन पर भी वक्फ संपत्ति होने का दावा किया जा सकता था। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने इस बिल को संविधान पर आक्रमण बताया।

पटाखा फैक्ट्री ब्लास्ट

50 मीटर दूर तक बिखर गए थे मजदूरों के शव

● हरदा-देवास के 20 लोगों की मौत, इनमें 5 से 8 साल के बच्चे भी

हरदा/खातेगांव (एजेंसी)। गुजरात में एक पटाखा फैक्ट्री का बॉयलर फटने से मृत 10 मजदूरों के शव आज मध्यप्रदेश लाए जा रहे हैं। धमाका इतना भीषण था कि कई मजदूरों के शरीर के अंग 50 मीटर दूर तक बिखर गए। फैक्ट्री के पीछे खेत में भी कुछ मानव अंग मिले हैं। हादसा मंगलवार सुबह 8 बजे बनासकांठा के नजदीक डीसा में हुआ। सभी मजदूर हरदा और देवास जिले के रहने वाले थे। इस हादसे में अब तक 20 शव बरामद हुए हैं। इनमें से 18 की पहचान हो गई है। इनमें 5 से 8 साल तक के बच्चे भी हैं। 8 शव हरदा के परिवार के जबकि

10 देवास जिले के हैं। दो शव ज्यादा जले हैं, जिनकी पहचान के लिए डीएनए टेस्ट किया जाएगा। माना जा रहा है कि ये हरदा के ही हैं। पहले हादसे में 21 मजदूरों की मौत की बात सामने आई थी। 8 मजदूरों का इलाज चल रहा है। इनमें 3 की हालत गंभीर है। ठेकेदार और हरदा परिवार का एक सदस्य लापता है। शव लेने पुलिस-प्रशासन टीम के साथ मंत्री नागर सिंह भी गुजरात गए हैं। बुधवार सुबह उन्होंने बताया कि देवास के 10 मजदूरों के शव उनके पैतृक गांव के लिए रवाना किए जा चुके हैं। बाकी शव भी पोस्टमॉर्टम के बाद भिजवाए जाएंगे।

रिजिजू ने आंकड़ों से बताया वक्फ के पास कितनी संपत्ति

● कहा-सेना, रेलवे नहीं, वक्फ के पास है सबसे ज्यादा निजी संपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया। विधेयक पर चर्चा की शुरुआत करते हुए किरेन रिजिजू ने कहा, वक्फ बोर्ड के पास लाखों एकड़ जमीन और लाखों करोड़ की संपत्ति है तो देश के गरीब मुसलमानों के लिए इसका इस्तेमाल क्यों नहीं किया जा रहा है। रिजिजू ने कहा कि रेलवे और सेना की जमीन पब्लिक प्रॉपर्टी है, जिसका इस्तेमाल देश के लिए होता है। वह किसी की निजी संपत्ति नहीं है। बता दें कि देश में वक्फ बोर्ड के पास रेलवे और सेना के बाद देश में तीसरी सबसे बड़ी संपत्ति है। वक्फ बोर्ड आज देशभर में करीब 8 लाख 70 हजार संपत्तियों को नियंत्रित करता है। ये संपत्तियां करीब 9 लाख 40 हजार एकड़ जमीन पर फैली हुई हैं। जिनकी अनुमानित कीमत 1 लाख 20 हजार करोड़ रुपये है। दुनिया में यह सबसे ज्यादा है।

अब तो पूरी दुनिया मान रही भारतीय हथियारों का लोहा

● रक्षा निर्यात में देश ने रच दिया एक और कीर्तिमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा निर्यात के क्षेत्र में भारत रोजाना नए आयाम छू रहा है। इस बीच इस क्षेत्र से जुड़ी एक और खुशखबरी सामने आई है। सरकार ने मंगलवार को बताया है कि भारत ने रक्षा निर्यात के क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की है। रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का रक्षा निर्यात 23,622 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। सरकार ने यह भी बताया है कि देश के रक्षा निर्यात में पिछले साल की तुलना में

12 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान भारत ने 80 से ज्यादा देशों में हथियारों की आपूर्ति की है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया, वित्तीय वर्ष 2024-25 में सार्वजनिक क्षेत्रों द्वारा निर्यात में 42.85त्न की वृद्धि हुई है। यह वैश्विक बाजार में भारतीय उत्पादों की बढ़ती स्वीकार्यता और ग्लोबल सप्लाई चेन में भारतीय रक्षा उद्योग की हिस्सा बनने की क्षमता को दर्शाता है।

देश की नारी शक्ति पर अब आरएसएस की नजर

● ऐतिहासिक नायिकाओं को अपने सांस्कृतिक एजेंडे में दी जगह ● रानी अबक्का से रानी दुर्गावती तक, संघ ने बनाया बड़ा प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के इतिहास में वीरांगनाओं की कहानियां हमेशा प्रेरणादायक रही हैं। चाहे वह 16वीं सदी की रानी अबक्का हों, जिन्होंने पुर्तगालियों से लोहा लिया या फिर रानी दुर्गावती जिन्होंने मुगलों के खिलाफ वीरतापूर्वक संघर्ष किया। अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) इन ऐतिहासिक नायिकाओं को अपने सांस्कृतिक एजेंडे में खास जगह दे रहा है। पिछले कुछ वर्षों से आरएसएस इन वीरांगनाओं की जयंती को बड़े स्तर पर मना रहा है। संघ के वरिष्ठ नेता दत्तात्रेय होसबले ने हाल ही में रानी अबक्का की 500वीं जयंती पर उन्हें एक कुशल प्रशासक और महान रणनीतिकार बताया। इसी तरह, लोकसभा चुनावों से पहले रानी

अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती भी मनाई गई थी। इन आयोजनों के पीछे संघ की रणनीति पर अब सियासी विश्लेषण शुरू हो गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, संघ के करीबी सूत्रों का कहना है कि यह सिर्फ एक सांस्कृतिक पहल है, जिसका उद्देश्य भारतीय इतिहास की गौरवशाली गाथाओं को सामने लाना है। आरएसएस हमेशा से ही अपनी विचारधारा को भारतीय परंपरा और संस्कृति से जोड़ता आया है। लेकिन अब महिला नेतृत्व को केंद्र में रखकर यह संगठन राजनीतिक रूप से भी एक नई दिशा में बढ़ रहा है। कई सियायी पंडितों का मानना है कि संघ का यह कदम महिलाओं को हिंदुत्व से जोड़ने और महिला वोट बैंक को साधने की कोशिश है।

ट्रंप के 'जवाबी टैरिफ' पर सूझबूझ दिखा रहा भारत

● चार विकल्पों के साथ तैयारी पूरी, सरकार ने कसी कमर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा घोषित किए जाने वाले 'जवाबी टैरिफ' पर भारत ने 'रुको और देखो' की नीति अपनाई है। अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत ने संयमित रुख अपनाते हुए पहले प्रभाव का विश्लेषण करने का निर्णय लिया है। ट्रंप प्रशासन द्वारा 2 अप्रैल को घोषित किए जाने वाले 'मुक्ति दिवस टैरिफ' को लेकर वैश्विक व्यापार जगत में हलचल है। अमेरिकी समयानुसार बुधवार शाम 4 बजे (भारत में गुरुवार तड़के) इस फैसले की घोषणा होगी। सोमवार को ट्रंप ने दावा किया था कि भारत समेत कई देश उनकी नीति के चलते अपने शुल्कों में भारी कटौती करेंगे। भारतीय अधिकारियों के अनुसार,

सरकार ने चार संभावित परिस्थितियों और उनके भारतीय व्यापार पर होने वाले असर का अध्ययन किया है। यदि यह टैरिफ उत्पाद-विशेष होगा, तो चीन, मैक्सिको, कनाडा और यूरोपीय संघ के निर्यात सबसे अधिक प्रभावित होंगे। इससे भारतीय उत्पादों को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिल सकता है। अगर यह टैरिफ क्षेत्र-विशेष होगा, तो वैश्विक बाजार में सभी देशों को अतिरिक्त लागत और लाभ में कटौती का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, यदि यह टैरिफ किसी विशेष देश के लिए लगाया जाता है या द्वितीयक शुल्क के रूप में आता है, तो भारतीय अर्थव्यवस्था पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। इस शुल्क की सटीक प्रकृति का अंदाजा नहीं है।

नंदीग्राम में अयोध्या जैसा भव्य राम मंदिर बनाने की है तैयारी

● रामनवमी पर रखी जाएगी आधारशिला, 1.5 एकड़ भूमि पर बनेगा मंदिर

कोलकाता (एजेंसी)। भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के सीनियर नेता शुभेंदु अधिकारी ने रामनवमी को लेकर बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि उनके निर्वाचन क्षेत्र नंदीग्राम में अयोध्या जैसा भव्य राम मंदिर बनाया जाएगा और इसकी आधारशिला 6 अप्रैल को रामनवमी के दिन रखी जाएगी। विधानसभा में विपक्ष के नेता अधिकारी ने सोमवार को अपने गृह जिले पूर्व मेदिनीपुर में यह बयान दिया। उन्होंने कहा कि सोनाचुरा में शिलान्यास समारोह से पहले भांगबेरा से सोनाचुरा तक एक भव्य जुलूस निकाला जाएगा, जिसमें सभी दुर्गा पूजा और स्थानीय मंदिर समितियों के प्रतिनिधियों के अलावा हिंदू धार्मिक संगठन और सामुदायिक क्लब भाग लेंगे। शुभेंदु अधिकारी ने कहा, 'प्रस्तावित मंदिर के लिए स्थल योजना को मंजूरी दे दी गई है। मंदिर करीब 1.5 एकड़ भूमि पर बनेगा। प्रस्तावित मंदिर में अयोध्या के राम मंदिर की विशेषताएं होंगी।'

गुजरात में कांग्रेस की सियासी परीक्षा, बड़ी है तैयारी

● 64 साल बाद अहमदाबाद में होगा अधिवेशन, पटेल की विरासत पर नजर

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (कांग्रेस) 64 साल के लंबे अंतराल के बाद गुजरात में अपने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अधिवेशन की मेजबानी करने जा रही है। यह ऐतिहासिक सत्र 8 और 9 अप्रैल 2025 को अहमदाबाद में आयोजित होगा। इससे पहले गुजरात में आखिरी एसीसी सत्र 1961 में भावनगर में हुआ था। गुजरात में अपने अस्तित्व के संकट और राष्ट्रीय स्तर पर लगातार मिल रही चुनावी हार के बीच पार्टी इस सत्र के जरिए नई ऊर्जा प्राप्त करने की कोशिश करेगी। गुजरात में 64 साल बाद हो रहा यह सत्र कई ऐतिहासिक संयोगों के कारण खास बन गया है। यह साल महात्मा गांधी की एकमात्र कांग्रेस अध्यक्षीय कार्यकाल की शताब्दी और सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती का भी प्रतीक है। कांग्रेस 8 अप्रैल को

शाहिबाग स्थित सरदार पटेल मेमोरियल में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक करेगी, जबकि 9 अप्रैल को साबरमती नदी के किनारे मुख्य एसीसी सत्र आयोजित किया जाएगा। बीते एक दशक में भाजपा ने सरदार पटेल की विरासत को बड़े स्तर पर अपनाया है और कांग्रेस को इससे दूर करने का प्रयास किया है। ऐसे में सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर कांग्रेस द्वारा गुजरात में यह आयोजन करना महज संयोग नहीं माना जा रहा। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि पार्टी पटेल समुदाय के समर्थन को फिर से पाने की कोशिश कर रही है, जो माधवसिंह सोलंकी की (क्षत्रिय, हरिजन, आदिवासी, मुस्लिम) सोशल इंजीनियरिंग के बाद कांग्रेस से दूर होता गया था।

बिहार में वक्फ बिल से शुरू होगा बीजेपी का 'खेला'

● 83 बनाम 17 का फॉर्मूला तय ● चिराग पासवान ने मुस्लिम मतों के खिलाफ खड़े होकर समर्थन जताया

पटना (एजेंसी)। यह भगवा का प्रभाव है या कट्टर मुस्लिम के विरुद्ध प्रगतिशील मुस्लिम का साथ, पर एक हैरतअंगेज बात तो हुई कि जदयू एमएलसी गुलाम गौस के बयान को झुठलाते हुए नीतिश कुमार ने वक्फ बोर्ड संशोधन बिल के समर्थन में पत्र तक जारी कर दिया। इसके साथ जिस दल यानी लोक जनशक्ति पार्टी ने मुस्लिम मुख्यमंत्री न बनाने को लेकर राष्ट्रीय जनता दल को समर्थन नहीं दिया, उस दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने भी वक्फ संशोधन बिल का भरपूर समर्थन कर न केवल एनडीए की मजबूती का संकेत दिया, बल्कि 17 प्रतिशत मुस्लिम मत के विरुद्ध खड़े

भी हुए। आखिर ऐसी कौन सी राजनीतिक परिस्थिति आई, जहां 83 प्रतिशत जनता के साथ एनडीए खड़ा हो गया। वक्फ संशोधन बिल वैसे तो अपने गठबंधन के सहयोगी दल के भरोसे भाजपा ने सदन के पटल पर रखने की जरूरत महसूस की। तब भी एक संशय खास कर सेक्युलर राजनीति की जड़ में टीडीपी और जदयू को लेकर बनी हुई थी लेकिन जिस तरह से वक्फ संशोधन बिल के समर्थन में बिहार एनडीए एकजुट हुआ, वह महागठबंधन की फजीहत का मार्ग खोलता दिखा। मुख्यमंत्री नीतिश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के बाद केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और जीतनराम मांझी की पार्टियों ने भी इस मुद्दे पर केंद्र की मोदी सरकार को न केवल अपना समर्थन दिया, बल्कि लोक जनशक्ति पार्टी और जनता दल यू ने तो व्हिप जारी कर दिया है।

छत्तीसगढ़ में 'गोली' वाले अब 'बोली' पर आ गए

● ताबड़तोड़ एनकाउंटर से खौफ में नक्सली, कहा-हमसे बात कर लो

सुकमा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में ताबड़तोड़ एनकाउंटर के बाद नक्सलवादी खौफ में आ गए हैं। नक्सलवाद का सफाया होते देख प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा (माओवादी) की केंद्रीय समिति ने मध्य भारत में युद्ध को तत्काल रोकने का आह्वान किया है। समिति ने शांति वार्ता को सुगम बनाने के लिए भारत सरकार और भाकपा (माओवादी) दोनों से बिना शर्त सीजफायर की मांग की है। समिति ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों के साथ मिलकर माओवादी-प्रभावित क्षेत्रों को लक्षित करते हुए 'कागर' नामक एक गहन आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू किया। इस अभियान के परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर हिंसा, हत्याएं और सामूहिक गिरफ्तारियां हुई हैं।

संक्षिप्त समाचार

श्रीमद् भागवत कथा को लेकर हुई बैठक

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। प्रखंड के बैगना गांव में वृंदावन के महान संत की ओर से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। इसको लेकर आयोजक सेवानिवृत्त शिक्षक रामचंद्र राय के नेतृत्व में मंगलवार को बैठक हुई। इसमें विधि व्यवस्था, ठहरने समेत अन्य कार्यों के लिए पर विचा-विमर्श किया गया। बताया कि वृंदावन के जगतगुरु राधा बल्लभ दास देवाचार्य महाराज के द्वारा 6 से 12 अप्रैल 2025 तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन हो रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ कलश शोभा यात्रा से होगा।

बक्सर में 90 वर्षीय शिक्षक ने किया देहदान

बक्सर, एजेंसी। बक्सर में पहली बार देहदान का ऐतिहासिक क्षण देखने को मिला। राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित और आदर्श इंटर कॉलेज, गहमर के पूर्व प्राचार्य रामछबिला सिंह(90)ने अपनी मृत्यु के बाद देहदान किया। उन्होंने चार साल पहले दधीचि देहदान समिति, बक्सर के जरिए देहदान का संकल्प लिया था। 31 मार्च को उनके निधन के बाद भतीजे सुजीत कुमार ने समिति की अध्यक्ष मीना सिंह को सूचना दी। बिहार समिति के साथ समन्वय के बाद उनके पार्थिव शरीर को एम्बुलेंस से इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना ले जाया गया। वहां एनाटॉमी विभाग को शरीर सौंपा गया। इस अवसर पर दधीचि देहदान समिति के अध्यक्ष और पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद मौजूद थे। साथ ही, पद्मश्री बिमल जैन, दीघा विधायक संजीव चौरसिया और आईजीआईएमएस के निदेशक डॉ. बिंदे कुमार भी उपस्थित रहे। बक्सर इकाई की अध्यक्ष मीना सिंह, समिति के पदाधिकारी और मृतक के परिजनों की मौजूदगी में पूरे सम्मान के साथ शरीर का दान किया गया।

बिहार में कपल के बीच कलह, दोनों ने खाया जहर, पत्नी की मौत

बांका, एजेंसी। बिहार में पति-पत्नी के आपसी कलह में बड़ी घटना हुई है। बांका जिले के पंजवारा थाना क्षेत्र के चचरा गांव में पति-पत्नी के बीच हुए आपसी कलह में दोनों ने जहर खा लिया। जिसमें पत्नी कृति कुमारी (19 उम्र) की मौत हो गई। जबकि पति संतोष मंडल की हालत गंभीर बताई जा रही है। उसे बेहतर इलाज के लिए भागलपुर रेफर किया गया है। कृति कुमारी का मायका बौंसी थाना क्षेत्र के झपनियां गाँव में है। कृति कुमारी की शादी एक साल पहले हुई थी। घटना की जानकारी मिलने पर पंजवारा पुलिस बुधवार को मौके पर पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

बांका में ऑटो-बाइक की टक्कर, चालक की मौके पर मौत

बांका, एजेंसी। बांका में मंगलवार रात एक सड़क हादसा हुआ। अमरपुर थाना क्षेत्र के इंग्लिशमोड़-अमरपुर मुख्य रास्ता पर विश्म्भरचक स्कूल के पास तेज रफ्तार ऑटो ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान किशनपुर गांव निवासी बेचन साह के 22 साल के बेटे राहुल कुमार के रूप में हुई है। बाइक पर सवार दो अन्य युवक बेला गांव के श्रवण कुमार और फतेहपुर गांव के सूरज मंडल गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए भागलपुर के मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रात करीब 9 बजे बाइक इंग्लिशमोड़ चौक की तरफ जा रही थी। इसी दौरान सामने से आ रहे तेज रफ्तार ऑटो ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों युवक सड़क पर जा गिरे। घटना की सूचना मिलते ही अपर थानाध्यक्ष विक्की कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। रेफरल अस्पताल में डॉक्टर ज्योति भारती ने राहुल कुमार को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने ऑटो चालक को हिरासत में ले लिया है और दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है। थानाध्यक्ष पंकज कुमार झा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए बांका सदर अस्पताल भेज दिया गया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बिहार खेल विश्वविद्यालय राजगीर ने लॉन्च किया सोशल मीडिया अकाउंट्स

खेल संबंधी गतिविधियां और विवि की पहल की जानकारी दी जाएगी

नालंदा, एजेंसी। बिहार खेल विश्वविद्यालय, राजगीर ने अपनी पहुंच और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट लॉन्च कर दिए हैं। विश्वविद्यालय अब फेसबुक, एक्स (पूर्व में ट्विटर), इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर मौजूद है, जहां से खेल संबंधी गतिविधियों और विश्वविद्यालय की पहलों की जानकारी नियमित रूप से साझा की जाएगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव रजनीकांत, आईएएस (से.नि.) ने बताया कि डिजिटल युग में हमारी मौजूदगी सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इन प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से हम न केवल युवाओं से संवाद स्थापित करेंगे, बल्कि बिहार के खेल इकोसिस्टम के विकास की यात्रा को भी साझा करेंगे। इसी कड़ी में माय जीओवी इंडिया ने अपने विभिन्न सोशल मीडिया अकाउंट्स के माध्यम से बिहार खेल विश्वविद्यालय राजगीर के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की है, जिसमें उसकी आधारभूत संरचनाओं और सुविधाओं पर प्रकाश डाला गया है।

विश्वस्तरीय अवसंरचना

90 एकड़ के विशाल क्षेत्र में फैले इस विश्वविद्यालय का निर्माण 770 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है। यह बिहार का पहला यूजीसी मान्यता प्राप्त खेल विश्वविद्यालय है जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। विश्वविद्यालय परिसर में अंतरराष्ट्रीय स्तर के हॉकी और क्रिकेट स्टेडियम सहित 23 अलग-अलग खेलों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। इसके अतिरिक्त, यहां 38 खेलो इंडिया केंद्र और एक खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र भी स्थापित किया गया है।

प्रशिक्षण और अनुसंधान का केंद्र

विश्वविद्यालय में तीन भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के प्रशिक्षण केंद्र हैं, जहां विशेषज्ञ कोचों द्वारा खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया जाता है। खेल विज्ञान और खेल मनोविज्ञान में विशेष पाठ्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। प्रशिक्षकों के लिए विशेष कोचिंग, खेल प्रौद्योगिकी और पोषण पर उन्नत शोध केंद्र भी विश्वविद्यालय की विशेषताओं में शामिल हैं। खिलाड़ियों के लिए अत्याधुनिक प्रशिक्षण, विशेषज्ञ कोचिंग और आवासीय सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।

खेलों का विविध स्पेक्ट्रम

विश्वविद्यालय में ओलंपिक खेलों जैसे एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, कुश्ती और तैराकी के अलावा टीम स्पोर्ट्स में फुटबॉल, हॉकी, बास्केटबॉल और कबड्डी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विशेष खेलों में तीरंदाजी, ताइक्वांडो, शूटिंग और साइक्लिंग भी शामिल हैं। राज्य सरकार के इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का उद्देश्य बिहार में खेल क्रांति लाना और युवाओं के सपनों को उड़ान देना है। राजगीर अब राज्य की खेल राजधानी के रूप में उभर रहा है, जहां युवाओं को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त होगा।

आकांक्षी खिलाड़ियों के लिए अवसर

सोशल मीडिया अकाउंट्स के माध्यम से विश्वविद्यालय प्रशासन खिलाड़ियों के प्रदर्शन, आगामी प्रतियोगिताओं, प्रवेश प्रक्रिया और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी साझा करेगा। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और खेल से जुड़े युवाओं तक पहुंच बनाने में मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय के अधिकारियों का मानना है कि डिजिटल मंचों पर उनकी उपस्थिति से बिहार के खेल परिदृश्य को एक नई पहचान मिलेगी और राज्य के युवाओं को वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा।

बदमाशों ने रास्ते में रोककर बुलेट में लगाई आग

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय में पांच लाख रुपया रंगदारी नहीं देने पर हथियार से लैस बदमाशों द्वारा रास्ते में रोक कर बुलेट बाइक में आग लगाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना नीमा चांदपुरा थाना क्षेत्र के वन्द्वार गांव की है। रात हुई इस घटना में धू-धू कर जलती बाइट का एक वीडियो भी काफी तेजी से वायरल हो रहा है। इस संबंध में पीड़ित पुरुषोत्तम कुमार सिंह ने बताया कि कल एक अप्रैल को मेरे छोटे बेटे मोनू उर्फ लक्ष्मीकांत गौतम के मोबाइल पर गांव के ही कन्हैया कुमार ने फोन करके पांच लाख रुपए रंगदारी मांगी। रंगदारी नहीं देने पर पूरे परिवारों को जान से मारने की धमकी दी। रात में मैं अपना हार्डवेयर का दुकान बंद करके बुलेट बाइक से घर जा रहा था।

नकद और जेवर की लूट: तभी कन्हैया कुमार घर से थोड़ी दूरी पर हथियार के बल पर रोक कर मारपीट करने लगा। मेरे पास से करीब 75 सौ रुपया और सोने का चेन छीन लिया। मौके पर उसके परिवार के लोग सहित कुछ अन्य लोग थे। इन लोगों ने जान मारने की नीयत से हमला कर दिया। इसके बाद बुलेट से उतर कर गाड़ी पर पेट्रोल छिड़क कर बुलेट में आग लगा दिया। आग लगाते ही हम जान बचाने के लिए वहां से भाग गए। घटना में बुलेट जलकर राख हो गया। घटनास्थल पर उपस्थित कुछ ग्रामीणों ने बाइक जलाने का वीडियो भी बना दिया। पुरुषोत्तम सिंह का कहना है कि आरोपियों पर पहले भी नीमा चांदपुरा थाना में केस दर्ज है। फिलहाल आवेदन के आधार पर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

17 से होगी शराब तस्करी में जब्त वाहनों की नीलामी

सहरसा, एजेंसी। सहरसा में शराब तस्करी के मामलों में जब्त की गई 114 गाड़ियों की नीलामी होने जा रही है। यह नीलामी तीन चरणों में होगी। पहला चरण 17 अप्रैल को, दूसरा 24 अप्रैल को और तीसरा 2 मई को आयोजित किया जाएगा। इसमें छोटी बड़ी वाहन शामिल है। इसको लेकर सहरसा उत्पाद विभाग के सहायक आयुक्त संजीव ठाकुर ने बताया कि नीलामी सहरसा उत्पाद विभाग कार्यालय में होगी। इसमें ट्रक, टेंपो, कार, मोटरसाइकिल और साइकिल शामिल हैं। ये सभी वाहन वर्ष 2023-24 में बिहार मद्य निषेध और उत्पाद अधिनियम, 2016 के तहत जब्त किए गए थे। नीलामी में भाग लेने के इच्छुक लोगों को 15 अप्रैल तक पंजीकरण कराना होगा। उन्हें उत्पाद विभाग कार्यालय और संबंधित थानों में जाकर वाहनों का निरीक्षण करना होगा। वाहन की मूल्यांकन राशि का कम से कम 20 प्रतिशत जमा करना अनिवार्य है।

एआईएमआईएम नेता बोले-हिन्दू मुस्लिम सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश

अल्पसंख्यक समुदायों के लिए खतरा है वक्फ बिल: अख्तरुल ईमान

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज के ठाकुरगंज में एआईएमआईएम पार्टी के सीमांचल प्रभारी गुलाम हसनैन ने मंगलवार शाम को ईद मिलन समारोह का आयोजन किया। इस दौरान एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने वक्फ बिल को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार किया। ईमान ने कहा कि वक्फ बिल सिर्फ मुस्लिम समुदाय के लिए ही नहीं, बल्कि सभी अल्पसंख्यक समुदायों के लिए खतरा है। उन्होंने इसे संविधान के मौलिक अधिकारों पर हमला बताया। उनका कहना है कि यह बिल देश में हिंदू-मुस्लिम के बीच सौहार्द को नुकसान पहुंचा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार युवाओं के रोजगार, किसानों की समस्याओं और बढ़ती महंगाई पर ध्यान नहीं दे रही है।

लगातार गिर रही रुपए की कीमत

अख्तरुल ईमान ने कहा कि महंगाई इतनी बढ़ गई है कि जो सामान पहले 100 रुपए में मिलता था, वह अब 500 रुपए में भी नहीं मिलता। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत लगातार गिर रही है, मगर इसके बारे में मोदी जी को चिंता नहीं है। ईमान ने दावा किया कि इस बिल का विरोध सिर्फ मुस्लिम समुदाय ही नहीं, बल्कि गैर-मुस्लिम भी कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि देश में धर्मनिरपेक्षता अभी

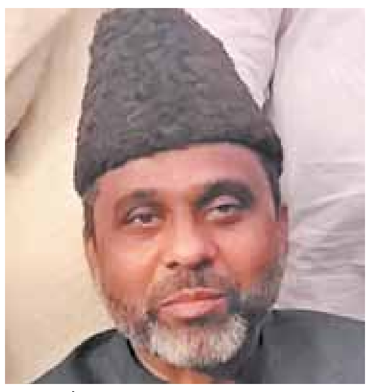

जीवित है, इसलिए यह बिल संसद में पारित नहीं होगा।

एकता बरकरार रखने के लिए किया आयोजन

एआईएमआईएम जिला महासचिव राहिल अख्तर और सीमांचल प्रभारी गुलाम हसनैन ने कहा कि इस कार्यक्रम का आयोजन क्षेत्र में हिंदू मुस्लिम एकता को बरकार रखने के लिए किया गया है। जिसमें मुस्लिम भाइयों के साथ-साथ हिंदू भाई भी मौजूद होकर एकता का प्रतीक दिए है। इस दौरान गुलाम हसनैन ने कहा कि यह कार्यक्रम विधानसभा चुनाव का बिगुल को लेकर नहीं बल्कि सिर्फ एक मिलन समारोह है।

बगहा में स्कूल को जलाने का प्रयास:लोगों ने असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई की मांग की

बिजली के तार भी जले सप्लाई बाधित

बगहा /बेतिया (पश्चिमी चंपारण)), एजेंसी। रामनगर थाना क्षेत्र के नरैनापुर प्राथमिक विद्यालय के पास असामाजिक तत्वों द्वारा आगजनी की घटना से इलाके में दहशत फैल गई। दरअसल, असामाजिक तत्वों के द्वारा स्कूल को जलाने का प्रयास किया गया। आग इतनी भीषण थी कि आसपास के बिजली के तार भी चपेट में आ गए और जलने लगे। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया, और स्थानीय लोग भय से भर गए। दरअसल, मंगलवार की रात करीब 10 बजे अचानक नरैनापुर प्राथमिक विद्यालय के पास आग की तेज लपटें उठने लगीं। जिसके बाद लोग मौके पर पहुंचे और आग को बुझाने का प्रयास किया।

अंधेरे का फायदा उठाकर भागे

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया ह कुछ संदिग्ध लोगों को मौके पर देखा गया था, लेकिन अंधेरे का फायदा उठाकर वे भाग निकले। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास के पेड़-पौधे और बिजली की तारें भी इसकी चपेट में आ गईं। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत प्रशासन को सूचना दी और

खुद भी आग बुझाने का प्रयास किया। आग लगने की सूचना पर दमकल विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि, तब तक आग से काफी नुकसान हो चुका था। घटना के बाद उप प्रमुख प्रतिनिधि सुजल सिंह ने घटनास्थल का दौरा किया और प्रशासन से तत्काल जांच की मांग की। उन्होंने कहा, कि ÷यह घटना बहुत गंभीर है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि ऐसे असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई हो, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।÷ इधर पुलिस प्रशासन ने भी मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी है।

सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों की तलाश जारी

थाना प्रभारी ने बताया कि इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है और दोषियों की पहचान कर जल्द ही कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद से ही स्थानीय लोगों में आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में असामाजिक गतिविधियां बढ़ गई हैं और पुलिस को इस पर सख्ती से नजर रखनी चाहिए। कई लोगों ने मांग की है कि इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

समस्तीपुर में बनारस जैसी हुई गंगा आरती

समस्तीपुर, एजेंसी। जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार के नमामि गंगे परियोजना के तहत जिला गंगा समिति समस्तीपुर की ओर से मंगलवार शाम मोहनपुर प्रखंड से गुजरने वाली गंगा नदी के रसलपुर घाट पर गंगा आरती कार्यक्रम हुआ। बनारस के पंडितों को बुलाया गया था। गंगा आरती के दौरान मंत्र उच्चारण से वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम का संचालन वरीय उप समाहर्ता स्नेहा कुमारी और पुस्पिता झा ने किया। गंगा आरती के मुख्य यजमान के रूप में स्थानीय विधायक राजेश कुमार सिंह को बनाया गया। यह गंगा आरती बनारस के जैसे भव्य हुई।

ये लोग रहे उपस्थित

मुख्य रूप से उपस्थित जिला गंगा समिति के डीपीओ निरजेश कुमार, जदयू के मोहीउद्दीन नगर प्रखंड अध्यक्ष अमित कुमार सिंह गुल्लू, क्षत्रिय चेतना मंच के अध्यक्ष उमाशंकर सिंह, घरनीपट्टी पूर्वी के मुखिया अमरेन्द्र कुमार सिंह, उप मुखिया अमरेन्द्र कुमार सिंह, भारतीय वन्यजीव संस्थान के जलज असिस्टेंट कोऑर्डिनेटर कुणाल कुमार सिंह, गंगा समग्र के जिला अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह,पंचायत समिति सदस्य उमाकांत निषाद, नमामि गंगे के जिला संयोजक भाई रणधीर और धर्मवीर कुंवर आदि थे।

पटना के महावीर मंदिर में पूजा-पाठ हुआ महंगा, नैवेद्यम लड्डू के दाम भी बढ़े

पटना, एजेंसी। पटना स्थित महावीर मंदिर प्रबंधन ने एक अप्रैल से नैवेद्यम और मंदिर से जुड़े पूजा-पाठ की सेवाओं की दरों में बढ़ोतरी की है। नैवेद्यम की कीमतों में 30 रुपये प्रतिकिलो का इजाफा किया गया है। नई कीमत प्लास्टिक पैक में प्रतिकिलो 380 रुपये और कार्टन (गत्ते) के पैकेट में 360 रुपये प्रतिकिलो हो गया है। पहले प्लास्टिक पैक में नैवेद्यम की कीमत 350 रुपये किलो और गत्ते के डिब्बे में इसकी कीमत 330 रुपये प्रति किलो थी। न्यास समिति की बैठक में नैवेद्यम की दरें बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। न्याय समिति ने घी, चीनी, बेसन, काजू, किशमिश, इलायची आदि की दरों में बढ़ोतरी के कारण कीमतों में वृद्धि का फैसला लिया है। इसके पहले 23 अक्टूबर 2022 को नवैद्यम की कीमत में 30 रुपये प्रति किलो की वृद्धि हुई थी।

पूजा अर्चना सहित अन्य दरें भी बढ़ीं : महावीर मंदिर में एक अप्रैल से पूजा-अर्चना, जप और पाठ, वाहन पूजा सहित अन्य चीजों की कीमतों में भी वृद्धि हुई है। रूद्राभिषेक (तीन घंटा) के लिए 51 सौ रुपये की जगह 5610 रुपये देने होंगे। सत्यनारायण पूजा की दर 11 सौ से बढ़ाकर 1210 रुपये कर दी गई है। रामार्चा पूजा और हनुमत पूजा के लिए 21 सौ की जगह 2310 रुपये देने होंगे। मुंडन के लिए 501 की जगह साढ़े पांच सौ लगेंगे। बाइक की पूजा के लिए 101 की जगह 115 रुपये और चारपहिया वाहन के लिए 251 की जगह 275 रुपये देने होंगे।

स्कूल मर्ज करने पर ग्रामीणों ने शिक्षकों को बनाया बंधक

अभिवावक बोले- बिना मर्जी का कर दिया मर्ज, बच्चे नहीं जाएंगे स्कूल; आंदोलन की चेतावनी

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर जिले के नारायणपुर प्रखंड के नगरपारा उत्तर पंचायत में स्थित मध्य विद्यालय नारायणपुर को दूसरे स्कूल में मर्ज करने के फैसले का ग्रामीणों ने जोरदार विरोध किया। मंगलवार को दर्जनों ग्रामीणों ने स्कूल में पहुंचकर प्रदर्शन किया और शिक्षकों को बंधक बना लिया। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार द्वारा विद्यालयों को मर्ज करने के लिए जो गाइडलाइन तय की गई है, उसके अनुसार यह स्कूल मर्ज होने के योग्य नहीं है, फिर भी इसे इंटर स्तरीय उच्च विद्यालय नारायणपुर में मर्ज किया जा रहा है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने बिना ग्रामीणों की सहमति के गुपचुप तरीके से आम सभा कर मर्ज का फैसला ले लिया। ग्रामीणों ने बताया कि नया स्कूल यहां से काफी दूर है और वहां जाने के लिए बच्चों को राष्ट्रीय राजमार्ग ह॥-31 पार करना पड़ेगा। इससे उनकी सुरक्षा को गंभीर खतरा होगा और कभी भी कोई हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने सैकड़ों लोगों के हस्ताक्षर युक्त आवेदन जिलाधिकारी और जिला शिक्षा पदाधिकारी को सौंपकर इस फैसले को रद्द करने की मांग की है। प्रदर्शन के दौरान गुस्साए अभिभावकों ने साफ कह दिया कि उनके बच्चे इसी स्कूल में पढ़ेंगे, वरना वे उन्हें कहीं और नहीं भेजेंगे। घंटों चले इस हाई वोल्टेज ड्रामे के बीच शिक्षकों को भी बंधक बना लिया गया।

स्कूल प्रशासन भी अनभिज्ञ, केवल आदेश का पालन कर रहे शिक्षक : विद्यालय के प्रभारी ने कहा कि उन्हें केवल व्हाट्सएप पर सूचना मिली थी कि यह स्कूल दूसरे विद्यालय में मर्ज किया जा रहा है। इससे पहले क्या योजना बनी थी, इस बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने बताया कि वे केवल उच्च अधिकारियों के आदेश का पालन कर रहे हैं।

मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी : इस मामले में प्रशासन की ओर से अभी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे। फिलहाल, पूरे इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है और लोग प्रशासन के फैसले का इंतजार कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

बिहार के पूर्वी चंपारण में दस हजार के इनामी जाली नोट कारोबारी ने किया आत्मसमर्पण

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के आदापुर थाना क्षेत्र अन्तर्गत एक जाली नोट कारोबारी ने पुलिस दबिश के बाद आज न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया है। बताया गया है कि आदापुर थाना क्षेत्र के सिरसिया कला गांव निवासी आबिद अंसारी पर एसपी स्वर्ण प्रभात ने 10 हजार के इनाम की घोषणा की थी। पुलिस दबिश के बाद उक्त अभियुक्त ने न्यायालय में आत्मसमर्पण किया है । उल्लेखनीय है,कि 10 जून 2023 को उसके विरुद्ध कांड संख्या 176 / 23 के तहत जाली नोट के मामले में आदापुर थाने में एफआईआर दर्ज किया गया था , जिसमें वह अब तक फरार चल रहा था। उसके लगातार फरारी को देखते हुए पुलिस कप्तान ने आबिद पर 10 हजार इनाम की घोषणा की थी। इस बीच अपने गिरफ्तारी व कुर्की जप्ती के भय से अभियुक्त ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। स्थानीय पुलिस अब आबिद को रिमांड पर लेने की तैयारी में जुट गई है।

पत्नी की हत्या मामले में 20 हजार का इनामी पप्पू गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के आदापुर थानाक्षेत्र में पत्नी की हत्या करने वाले 20 हजार के इनामी आरोपित पप्पू को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आदापुर थानाध्यक्ष धर्मवीर चौधरी के अनुसार आरोपित 2023 से फरार चल रहा था। गुप्त सूचना के बाद एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर छापेमारी करते हुए भावनपुर गांव निवासी पप्पू को पुलिस टीम ने पकड़ लिया। थानाध्यक्ष धर्मवीर चौधरी ने बताया कि आरोपित बीते कई साल से पुलिस को चकमा दे रहा था। हालांकि इस पर नजर रखी जा रही थी।गिरफ्तार इनामी आरोपित को न्यायिक हिरासत में भेजने की कारवाई की जा रही है।

हिन्दी साहित्य में उत्कृष्ट कृतियो के लिए कमल किशोर गोयनका सदैव याद किये जायेंगे:डा.अंजनी कुमार

बीएनएम। मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिन्दी साहित्य सभा के द्वारा बुधवार को गाँधी भवन परिसर स्थित नारायणी कक्ष में हिंदी के सुप्रसिद्ध आलोचक कमल किशोर गोयनका के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि कमल किशोर गोयनका को उनकी उत्कृष्ट कृतियों के लिए सदैव याद किया जाएगा। जब भी प्रेमचंद को याद किया जाएगा उनके साथ गोयनका को भी याद किया जाएगा।मैं उनकी स्मृतियों को नमन करता हूँ। हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. गोविंद प्रसाद वर्मा ने कमल किशोर गोयनका के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए कहा कि हम सबको उनके द्वारा किए गए शोध कार्य को आगे बढ़ाना चाहिए।हिंदी विभाग की वरिष्ठ शोधार्थी सुश्री रश्मि सिंह ने भी डॉ.गोयनका के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।कार्यक्रम में हिंदी विभाग के सभी शोधार्थी एवं विद्यार्थी मौजूद रहें।कार्यक्रम का संचालन शोधार्थी विकास कुमार ने किया किया।

चमकी बुखार को लेकर बीआरसी में प्रधानाध्यापकों की हुई बैठक

प्रखंड के सभी सरकारी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक बैठक में हुए शामिल

बीएनएम।मोतिहारी। घोड़ासहन प्रखंड के बीआरसी सभागार में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी शत्रुघ्न प्रसाद की अध्यक्षता में चमकी बुखार को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। प्रखंड के सभी सरकारी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक उक्त बैठक में शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ आलोक कुमार ने बताया कि चमकी बुखार बच्चों के लिए जानलेवा बुखार है। चमकी बुखार से बच्चों में तेज बुखार आना,उल्टी आना,तेज सांस चलना,शरीर के अंग में ऐंठन,मुंह से झाग आना,शरीर में कोई हरकत नहीं होना इस बीमारी का लक्षण है। बचाव तथा निदान के बारे जानकरी दी। लक्षण मिलने पर तुरंत अस्पताल में बच्चों को पहुंचाए अथवा कंट्रोल रूम के नंबर पर तुरंत सूचना दे ताकि समय रहते बच्चों को बचाया जा सके। बच्चों को भरपेट भोजन तथा गुड जरूर खिलाए खाली पेट नहीं रहने दे। बीईओ ने सभी शिक्षकों को चेतना सत्र के दौरान बच्चों को इस बीमारी के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया। मौके पर यूनिसेफ के बीएमसी मुनेन्द्र कुमार समेत सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक शामिल रहे।

रामनवमी को लेकर डीएम और एसपी ने किया बैठक, सुरक्षा के कड़े प्रबंध

बीएनएम। मोतिहारी

महापर्व रामनवमी को सौहार्द और शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। इसको लेकर बुधवार को रक्सौल थाना परिसर में जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल और पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक हुई। जिसे संबोधित करते जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन ने जुलूस में डीजे के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया है। तलवार, भाला, त्रिशूल जैसे धारदार हथियारों के प्रदर्शन की भी अनुमति नहीं होगी। जुलूस में शामिल होने वालों को आधार कार्ड दिखाना अनिवार्य होगा। जिलाधिकारी ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए संगठनों से 10-15 लोगों की निगरानी टीम बनाई जाएगी। जुलूस के लिए लाइसेंस जारी किए जाएंगे और रूट का वेरिफिकेशन किया जाएगा। ड्रोन कैमरे से पूरे मार्ग की निगरानी होगी। जुलूस मार्ग में पड़ने वाले धार्मिक स्थलों की विशेष समीक्षा की जाएगी। भड़काऊ पोस्टर हटाये जायेगे। जिला पुलिस और प्रशासन की सोशल मीडिया पर पैनी निगाह है। बैठक में जिलाधिकारी ने चेतावनी दी है कि ड्यूटी से अनुपस्थित पाए जाने वाले मजिस्ट्रेट या पुलिस पदाधिकारी पर कार्रवाई सुनिश्चित है।इसके साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों और वारंटियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होने कहा कि जुलूस के दौरान संपूर्ण गतिविधियों की वीडियोग्राफी कराई जाएगी, साथ ही ड्रोन कैमरा भी सक्रिय रहेगा।उन्होने बैठक में शामिल हिन्दू संगठनो द्वारा जुलूस के दौरान मेडिकल टीम और अग्निशमन दल की उपस्थिति की मांग पर स्वीकृति देते कहा कि मेडिकल टीम और अग्निशमन वाहन पूरे जुलूस के दौरान साथ रहेंगे।वही एसपी स्वर्ण प्रभात ने कहा कि रामनवमी पर सुरक्षा को लेकर कई स्तरो पर तैयारी की गई है। उन्होने कहा कि हंगामा और अराजकता करने वाले किसी भी हाल में बख्शे नही जायेगे।

सीकरीया फार्मेसी कॉलेज के छात्रों ने लहराया परचम

बीएनएम। मोतिहारी

बिहार सरकार द्वारा बिहार में पहली बार स्वास्थ्य क्षेत्र से संबंधित विषयो के लिए स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना पटना में की गई। इस विश्वविद्यालय में पहली बार ली गई परीक्षा में सीकरीया फार्मेसी कॉलेज बी.फार्मा सत्र- 2023-24 के छात्रों ने अच्छे अंको से फस्ट सेमिस्टर की परीक्षा पास की। जिसमे अविनाश कुमार, खुशबु कुमारी, सचिन ने कॉलेज में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर भाजपा युवा नेता यमुना सीकरीया, वाईस प्राचार्या प्रीती दूबे ने सभी छात्रों को मिठाई खिलाकर उनके मनोबल को बढ़ाया। भाजपा युवा नेता यमुना सीकरीया ने स्वास्य मंत्री मंगल पाण्डेय से माँग की कि बढ़ती हुई जनसंख्या को देखते हुए पटना बुलाकर सभी परीक्षाएं कराना आज के परिपेक्ष्य में उचित नहीं है। इससे छात्रों को काफी परेशानी होती है। धन का अपव्यय होता है। वर्तमान में बिहार विकास की ओर काफी तेजी से बढ़ रहा है। इसे देखते हुए जिला स्तर पर परीक्षा करायी जाय, ताकि अभिभावक और छात्रों को परेशानी कम हो।

दहेज के लिए विवाहिता की हत्या

» प्राथमिकी के बाद जांच में जुटी पुलिस

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के संग्रामपुर थाना क्षेत्र के इजरा गांव में एक विवाहिता का शव पुलिस ने बुधवार को उसके कमरे से मृत अवस्था मे बरामद किया,जिसकी पहचान 28 वर्षीय संजीता देवी पति सुमित तिवारी उर्फ छोटन गांव इजरा के रूप हुई। मृतक के पिता नवी नारायण शुक्ल ने थाना में आवेदन देकर बताया है कि वर्ष 2022 में संजीता की शादी सुमित तिवारी उर्फ छोटन से बड़े धूम धाम से की थी। दहेज में कुछ राशि कम होने के कारण उसके ससुर सुरेंश तिवारी ,सास व जटाशंकर तिवारी हमेशा प्रताड़ित करते थे ।बुधवार की सुबह दामाद सुमित का दिल्ली से फोन आया कि संजीता फोन नही उठा रही है ।तब इजरा पहुंचकर देखा कि कमरा में नीचे अचेत अवस्था मे पड़ी थी, वही उसका फोन व 2 वर्षीय बच्चा गायब था ।इसकी सूचना पुलिस को दिया । थानाध्यक्ष धीरज कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया गया है। आवेदन के आधार पर प्राथमिक दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस ने बाईक चोर गिरोह का किया खुलासा, 12 बाईक बरामद

बीएनएम। मोतिहारी

जिले में पताही थाना पुलिस ने एक संगठित वाहन चोर गिरोह का खुलासा करते हुए दो शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। जिनकी निशानदेही पर चोरी की 12 बाइक बरामद किया गया हैं। पकड़े गये वाहन चोर गोलू कुमार और सुमन कुमार बताये गये हैं। डीएसपी सह एएसपी पकड़ीदयाल मोहिबुल अंसारी ने मामले का खुलासा करते बताया कि पताही पुलिस के द्वारा क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस की नजर बाइक सवार दो लोग पर पड़ी पुलिस ने दोनों को रूकने का इशारा किया तो वे सकपका गए एवं दोनों भागने की कोशिश की, लेकिन उसमें वो कामयाब नहीं हो पाए। पहले तो पूछताछ में उन्होंने पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया, लेकिन जब पुलिस ने सख्ती दिखाई तो उन्होंने सच्चाई उगल दी। पूछताछ के दौरान बताया कि वे बाइक चोर गिरोह के सदस्य हैं। अलग-अलग जगह से बाइकों की चोरी कर नेपाल में बेचते है,वही कुछ बाइको को कटिंग कर कबाड़ में बेचते है,जबकि अन्य चोरी की बाइक को शराब कारोबारियो को बेच देते है। जिसका उपयोग शराब तस्करी में किया जाता है। पुलिस इस गिरोह के अन्य सदस्यो की पहचान कर छापेमारी में जुटी है। छापेमारी टीम में पताही थानाध्यक्ष विनीत कुमार, दरोगा धनंजय कुमार, अजय कुमार, सुनील कुमार सिंह, संजय चौधरी, अखिलेश कुमार राय सहित अन्य पुलिस बल के जवान शामिल थे।

मनुष्य सुंदर आचरण करके देवत्व को कर सकता है प्राप्तः संत छोटे बापूजी

बीएनएम। मोतिहारी

ब्रह्मलीन योगीराज श्री देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम में चल रहे 54वां सद्गुरु महायज्ञ एवं संगीतमय श्री राम कथा के चतुर्थ दिवस अयोध्या धाम से पधारे राष्ट्रीय संत छोटे बापूजी महाराज ने राम जन्मोत्सव प्रसंग पर कहा सतयुग त्रेता द्वापर युगों में भगवान के विवाह अवतार हुए हैं उन अवतारों का उद्देश्य धरती पर रहने वाले मनुष्यों का कल्याण करना रहा है। भगवान नरसिंह आदि अवतार लेकर भी मानव का कल्याण करते हैं इसलिए भगवान का श्री राम रूप में अवतार हुआ जो मानव बनाकर के मानवों को मानवीय गुण का दर्शन करते हैं। 84 लाख देधारियों में एक मनुष्य शरीर ऐसा है जिससे सुंदर आचरण करके देवत्व को प्राप्त किया जा सकता है। निष्कृष्ट आचरण करके रक्षा योनि को प्राप्त किया जा सकता है ऐसे में श्री राम कथा मानव जीवन में अति आवश्यक हो जाती है। भगवान शंकर कहते हैं जब-जब मानव के जीवन में राक्षसी प्रवृत्तियां उत्पन्न हुई हैं तब-तब भगवान अवतार लेकर उन प्रवृत्तियों का संघार करते हैं। छोटे बापू ने भक्तों को बताया कि गीतावली रामायण में कहा है रावण मोह का स्वरूप है कुंभकरण अहंकार का स्वरूप है और मेघनाथ काम का स्वरूप है मोह सभी दुखों का कारण है। अपने अंतः करण में श्री राम कथा श्रवण करके श्री राम को प्रकट करना अहंकार मोह और काम का विनाश करके राम राज्य के सुखों का भोग मनुष्य अपने जीवन में प्राप्त कर सकते हैं। श्री अयोध्या धाम में राजा दशरथ जी को जब पुत्र की प्राप्ति नहीं हुई चौथ पन आ गया तब श्री गुरुदेव वशिष्ठ जी के पास जाकर दुख सुख सुनाया। गोस्वामी जी कहते हैं मानव जीवन में कभी भी पूर्णता नहीं हो सकती कहीं ना कहीं अभाव की पीड़ा मनुष्यों को सताती है, ऐसे में गुरु शरणागति से उसे अभाव की पूर्णता होती है इसलिए गुरु का होना जीवन में जरूरी है। भगवान श्री राम जी का जन्म चैत्र के महीने में हुआ इसका अर्थ है श्री राम यानी ब्रह्म का प्राकट्य चित्र के चैतन्य होने से होता है। गोस्वामी जी कहते हैं राम जन्म सुख मूल अध्यात्म और भौतिक जगत में श्री राम जी का होना सुखों का स्रोत है। भगवान के जन्म के बाद तीनों लोकों में आनंद का वातावरण हो गया। राम जन्म की झांकी देखकर बधाई गीतों पर लोग झुमने लगे। आज के श्री राम नाम संकीर्तन का पूजन गीत देवी और राम कथा का विधिवत दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ और पूजन मेयर प्रत्याशी अजय कुमार आजाद, आश्रम अध्यक्ष विनय कुमार शर्मा, सचिव डॉक्टर गोविंद प्रसाद ने संयुक्त रूप से किया समस्त पूजन आचार्य विवेक कुमार पांडे और सुधीर कुमार पांडे द्वारा संपन्न कराया गया। मंच संचालन राम भजन ने किया।

रिटार्यड फौजी प्रभु सिंह की हत्या मामले में मुखिया ने किया आत्मसमर्पण

बीएनएम। मोतिहारी/तुरकौलिया

जिले के तुरकौलिया थाना क्षेत्र में रिटायर्ड फौजी की मौत मामले में आरोपित शंकर सरैया उत्तरी पंचायत के मुखिया असरफ आलम ने कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया है। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने मुखिया की गिरफ्तारी के लिए 10 हजार रुपये के इनाम की घोषणा की थी। इनाम की घोषणा के मात्र 48 घंटों के भीतर मुखिया ने सरेंडर कर दिया। अब पुलिस उन्हें रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है। मृतक फौजी के बेटे आनंद सिंह ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कर बताया है,कि उनके पिता प्रभु सिंह 25 मार्च को मुखिया से 9 लाख रुपये लेने गए थे। मुखिया ने उन्हें रोक लिया और अगले दिन पैसे देने की बात कही। 26 मार्च को प्रभु सिंह का फोन आया। उनकी आवाज फंसी हुई थी। उन्होंने बताया कि मुखिया ने खाने में जहर मिला दिया है। आनंद के चाचा जब मौके पर

पहुंचे तो प्रभु सिंह बेहोश मिले। उन्हें तुरंत निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।फिहाहाल इस मामले में आरोपी के समर्पण के बाद पुलिस कांड की तहकीकात तेज कर दी है।

ई. शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय पुनः बने जिला कांग्रेस अध्यक्ष, कार्यकर्ताओं में हर्ष

बीएनएम। मोतिहारी

ई. शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय को पुनः जिला कांग्रेस कमिटी, पूर्वी चंपारण का अध्यक्ष बनाए जाने पर जिलेभर में हर्ष का माहौल है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं वरिष्ठ नेताओं ने उनकी इस नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और उनके नेतृत्व में संगठन को और मजबूत करने की आशा जताई। नगर अध्यक्ष ओसैदूर रहमान खान द्वारा अभिनन्दन समारोह का आयोजन किया गया। उक्त मौके पर जिला अध्यक्ष शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय ने कहा कि पार्टी ने हमे पुनः जिला अध्यक्ष बनाया है इसके लिए मैं पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार, राज्यसभा सांसद सह पूर्व अध्यक्ष बिहार कांग्रेस कमिटी अखिलेश प्रसाद सिंह, बिहार प्रभारी कृष्ण अल्लावरु, सीएलपी लीडर शकील अहमद खान, बिहार प्रभारी सचिव सुशील पासी का आभार प्रकट करता हूं साथ ही जिला कांग्रेस कमिटी एवं प्रखंड कांग्रेस कमिटी का मैं धन्यवाद करता हूँ की सभी के पार्टी के प्रति समर्पण एवं सक्रियता दिखाने हेतु आभार। अभिनन्दन समारोह में शैलेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि गप्पू राय के नेतृत्व में कांग्रेस का जनाधार और मजबूत होगा तथा पार्टी को आगामी चुनावों में इसका लाभ मिलेगा। प्रो. विजय शंकर पांडे एवं विनय कुमार सिंह ने कहा कि श्री राय को पुनः अध्यक्ष बनाए जाने पर पार्टी के आलाकमान को बहुत-बहुत आभार की उन्होंने पुनः ई. शशि भूषण राय उर्फ गप्पु राय को जिला अध्यक्ष का पदभार दिया। मौके पर ललन राय, रवींद्र पांडे, किरण कुशवाहा, डॉ. आदर्श आनंद, आबिद हुसैन, सभापति सिंह, सत्येंद्र नाथ तिवारी, नसीम अख्तर, रंजीत पांडे, हरिकिशोर पटेल, सौरव कुमार, चंदेश्वर सिंह, डॉ. परवेज आलम, गुलरेज अहमद, रवि रंजन नेता, रंजन शर्मा, मुकुंद कुमार, लालू यादव, हिमांशु दुबे एवं जिला कांग्रेस कमिटी के वरिष्ठ नेता भी श्री राय को बधाई दी।

रामनवमी के शोभा यात्रा और राम महोत्सव को लेकर की गई विचार-विमर्श

बीएनएम। मोतिहारी

विश्व हिन्दू परिषद बजरंगदल ने हनुमान गढी मे सामूहिक हनुमान चालीसा और आरती करने के बाद एक संयुक्त बैठक संजय पटेल अधिवक्ता की अध्यक्षता मे कर 5 अप्रैल और 6 अप्रैल को होने वाले रामनवमी के शोभा यात्रा और राम महोत्सव पर विचार विमर्श किया। तथा अंतिम तैयारी का समीक्षा किया। मौके पर उपस्थित विहिप के बिहार झारखंड विधि प्रकोष्ठ प्रमुख अशोक श्रीवास्तव अधिवक्ता ने बताया कि रामनवमी के अवसर पर 5 अप्रैल को हनुमान गढी हनुमान मंदिर मे 1 बजे धर्म सभा होगा तथा 3 बजे से शहर मे विशाल शोभा यात्रा हाथी घोडा राम लक्ष्मण सीता हनुमान के झांकियो के साथ गाजे बाजे के साथ निकलेगा जो शहर का भ्रमण कर पुनः वंही वापस आकर पूजा अर्चना के बाद समाप्त हो जाएगा फिर 6 अप्रैल को हनुमान गढी मंदिर पर हनुमान अराधना और महा भंडारा होगा तथा उसी दिन जिले भर के कार्यकर्ता ढाका शोभा यात्रा मे भाग लेने ढाका जाएगे। इन्होंने हिन्दू भाईयो बहनो से निवेदन किया है कि अधिक संख्या मे शोभा यात्रा मे भाग ले। मौके पर शहर के प्रसिद्ध उधोग पति व शिक्षा विद श्री शंभू सिकारिया जी ने राम महोत्सव व शोभा यात्रा का समर्थन करते हुए अश्वमेघ यज्ञ का अश्व और विजय सतंभ शोभा यात्रा मे घुमाने की अनुमति सवीकृत करते हुए परिषद को अश्व व विजय स्तंभ विहिप के निवेदन पर प्रदान करेगे और इन्होने श्रदधालुओ से निवेदन किया है कि वे अश्व मेघ यज्ञ के घोडा व विजय स्तंभ का पूजन कर पुण्य का भागी बने। मौके पर बजरंगदल के हेमनत कुमार उद्धेश्य कुमार गुप्ता आनन्द प्रकाश जितेन्द्र कुशवाहा अंकित कुमार मनीष कुमार अधिवक्ता विजय शंकर धर्मेन्द्र ठाकूर आशुतोष कुमार राजन तिवारी देवेन्द्र कुमार सिंह अभिनव पांडेय उतम श्रीवास्तव गुडू सिंह अवनीश कुमार सिंह अर्जुन मिश्रा विक्रम जायसवाल इत्यादि अनेक कार्यकर्ताओ ने विभिन्न व्यवस्थाओ की जिममेवारी ली। 5 और 6 अप्रैल को पुरा शहर भगवा मय होगा।

संक्षिप्त समाचार

अरविंद कुमार बने जिला कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष

बीएनएम। लखीसराय। जिला कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ कांग्रेसी अरविंद कुमार बिहार प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम की अनुशंसा पर राष्ट्रीय कांग्रेस के द्वारा लखीसराय जिला कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत किया गया है।इस मनोनयन के बाद लखीसराय जिला कांग्रेस के पुराने कांग्रेसियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। इस मौके पर कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रभात कुमार सिंह पूर्व जिलाध्यक्ष सह नगर परिषद के पूर्व उपसभापति प्रोफेसर सुनील कुमार, बड़हिया नगर परिषद के पूर्व उप सभापति मनोज कुमार सिंह.गौतम कुमार सिंह, सुबिंद कुमार शर्मा,बिहार प्रदेश कांग्रेस डेलीगेट, » मनोरंजन कुमार पप्पू,चुन्नू सिंह,देवशरण प्रसाद सिंह, राम शरण पासवान,चुनचुन प्रसाद सिंह, संजीव सिंह, नरेश प्रसाद सिंह,-जगदीश कुमार पान,पंकज कुमार, बिनय कृष्ण मेहता,चानन प्रखंड अध्यक्ष बजरंगी यादव, राजद नेता लक्ष्मण कुमार साहू,पूर्व विधायक फुलेना सिंह,सुरेंद्र प्रसाद सिंह,अर्जुन प्रसाद सिंह आदि नेताओं ने बधाई दी।

ट्रक से क्षत विक्षत शव बरामद

बीएनएम। लखीसराय। जिले के सूर्यगढ़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर गाँव के समीप उस वक्त हड़कंप मच गया। जब एक ट्राली ट्रक के केबिन से क्षत- विक्षत अवस्था में शव को पुलिस ने बरामद किया । शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया। स्थानीय लोगों की मानें तो ट्रक महीनों से इसी जगह पर खड़ा है। यहां के लोगों को यह लग रहा था की ड्राइवर ट्रक को खड़ी कर आसपास के गांव या उसका रिश्तेदार के यहां गया होगा, और वहअपने काम को निपटा कर ट्रक वापस ले जायेगा।जब ट्रक से दुर्गंध आने लगी तो तुरंत इसकी सूचना 112 पुलिस टीम को दी गई। सूचना के बाद सूर्यगढ़ा थानाध्यक्ष भगवान राम दलबल के साथ पहुंचे और क्षत विक्षत शव की स्थिति देखकर वरीय अधिकारियों को सूचित किया।जहां से मिले निर्देश के बाद एफएसएल की टीम को सूचित किया गया। तत्पश्चात स्थानीय लोगों से ट्रक के संबंध में पूछताछ की गई तथा ट्रक का बारीकी से निरीक्षण किया। ट्रक के नंबर जांच में स्पष्ट हुआ कि यह भुवनेश्वर के एसबीटी नालेजिस्टिक्स लिमिटेड कंपनी का है। जो झारखंड के कोडरमा से बीते 21 फरवरी को छड़ से लदा ट्रक चोरी हो गई थी। जिसको लेकर 25 फरवरी को वाहन मालिक ने कोडरमा थाना में मामला दर्ज कराया था। जिसमें मुख्य आरोपी चालक को ही बनाया गया है। स्थानीय लोगो में यह चर्चा है कि आखिर ट्रक का केबिन बंद, ट्रक पर लदा छड़ गायब, ट्रक का लगभग टायर बदला हुआ, डीजल टैंक खुला हुआ। ट्रक केबिन के अंदर दुर्गंध देती क्षत विक्षत शव। किसका है। यदि चालक ने ही वाहन की चोरी की तो केबिन के अंदर क्षत विक्षत शव किसका है।यह तो पुलिसिया अनुसंधान से ही पता लगेगा।

मारपीट कर ढेड़ लाख रुपए की छिनतई, प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम। जमुई /झाझा। बुधवार की सुबह झाझा से अपने घर जा रहे एक युवक के साथ दो लोगों के द्वारा रास्ता रोककर उसके साथ मारपीट कर ढेड़ लाख रुपए छीन लिए। मारपीट की घटना में घायल युवक की पहचान सोनो थानाक्षेत्र के भीठरा गांव के रहने वाले अनिल यादव के रूप में हुई है। लोगों की मदद से घायल को सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां डॉक्टर के द्वारा उसका इलाज किया गया। घायल ने बताया कि बेटी की शादी के लिए हेलाजोत निवासी मुन्ना प्रसाद यादव से कर्ज के रूप में ढेड़ लाख रुपए लेकर बाइक से अपने घर जा रहा था जिसके बाद ज्योंहीं सोहजाना मोड़ के पास पहुंचा तो सोहजना गांव के रहने वाले शिव यादव, संकित यादव ने रास्ता रोक लिया और उस रास्ता रोकने को लेकर कारण पूछा तो उक्त दोनों युवकों ने लोहे के रॉड से जान मारने की नीयत से मेरे सिर पर वार कर दिया और उनदोनो के साथ अन्य पांच अज्ञात ने ढेड़ लाख रुपए भी छीन लिये और फिर मोबाइल भी चूर दिया। उक्त लोगों ने मारपीट व छिनतई करने के बाद धमकी दिया कि अगर केस किया तो मुझे और मेरे पूरे परिवार को जान मार देंगे। घायल युवक ने इलाज के बाद थाना में आवेदन दिया जिसपर थानाध्यक्ष ने प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई करने में जुट गई है।

पड़ोसियों ने मारपीट कर किया घायल

बीएनएम। जमुई/झाझा। नगर क्षेत्र के बाबूबांक मुहल्ले में बुधवार को एक व्यक्ति के साथ पड़ोस के रहने वाले कुछ लोगों ने लाठी डंडा से मारकर घायल कर दिया। घायल को उसके घरवालों ने इलाज के लिए रेफरल अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां घायल का इलाज डॉक्टर के द्वारा किया गया। घायल की पहचान मोहम्मद वाजिद अंसारी के रूप में हुई है।

महिला ने लगाया मारपीट का आरोप

बीएनएम। जमुई/झाझा। थानाक्षेत्र के खैरन गांव की रहने वाली एक महिला ने अपने ससुराल वालों पर जमीन को लेकर मारपीट करने का प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज आवेदन में महिला कुंती देवी ने बताई की मेरे पति कुल मिलाकर चार भाई है। चारो में जमीन बंटवारा नही हुआ है और मेरे ससुर तथा पति के अन्य तीन भाई हिस्सा भी नही दे रहा है। जिसके बाद ससुर लेखों यादव, सास मनिया देवी, भैंसुर उमेश यादव, लालू यादव, डब्लू कुमार और गौतनी लोग मेरे पति के हिस्से में गेंहू लगा दिया जिसके बाद गेंहू देखने के लिए खेत गई तो उक्त लोगों ने मेरे साथ गाली गलौज करने लगा जिसका विरोध करने पर उक्त सभी लोग मेरे साथ मारपीट किया और मुझे जान मारने की नीयत से मेरे गले पर हसुआ चलाने का प्रयास किया जिसमें किसी तरह वहां से बचकर भाग निकली

प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम। जमुई/झाझा। थानाक्षेत्र के पैरगाहा मोदी टोला से एक बाइक चोरी हो जाने पर बाइक मालिक ने थाना में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। बाइक मालिक पैरगाहा गांव के रहने वाले कपिलदेव यादव ने बताया कि पैरगाहा मोदी टोला में जरूरी काम से गए थे और फास्टफूड दुकान के समीप बाइक लगाकर मनोज शर्मा के आरा मिल में गया और जब वापस आया तो बाइक गायब था। काफी खोजबीन किये जाने के बाद भी बाइक का कुछ पता नही चल सका।

जिला परिषद की समान्य बोर्ड की बैठक मे छाया रहा विकास का मुद्दा

बीएनएम। लखीसराय कलेक्ट्रेट स्थित मंत्रणा कक्ष सभागार में बुधवार को जिला परिषद के सामान्य बोर्ड की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सूर्यगढ़ा विधायक प्रहलाद यादव,डीएम मिथलेश मिश्र, जिला परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा जिला परिषद सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में जिले के विभिन्न विकास कार्यों और योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों और जिला पार्षदों ने भाग लिया।बैठक की अध्यक्षता डीएम मिथलेश मिश्र ने की। बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। साथ ही, जिला परिषद के सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को उठाया और उनके शीघ्र समाधान की मांग की।बैठक में अधिकारियों ने बताया कि सरकार की विभिन्न योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रशासन पूरी तरह तत्पर है। ग्रामीण क्षेत्रों में जल निकासी, सड़कों की मरम्मत, विद्यालयों के विकास और स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए कई प्रस्ताव रखे गए। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि सभी विकास कार्यों को तय समयसीमा के अंदर पूरा किया जाएगा। बैठक के दौरान पंचायत प्रतिनिधियों ने भी अपनी मांगें रखीं और प्रशासन से उनके समाधान की अपील की। उन्होंने बताया कि कई इलाकों में आधारभूत संरचना के विकास की जरूरत है, जिसे प्राथमिकता दी जानी चाहिए।अंत में, जिला परिषद अध्यक्ष ने बैठक की समाप्ति की घोषणा करते हुए कहा कि जिले के सर्वांगीण विकास के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने आशा जताई कि प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के सामूहिक प्रयासों से लखीसराय में विकास की गति तेज होगी।

वक्फ विधेयक लोकसभा में हुई पास, लोगों ने दी प्रतिक्रिया

बीएनएम। बीएनएम। राकेश कुमार/ नीरज आनंद

लोकसभा में बुधवार को वक्फ अधिनियम में संशोधन से जुड़े विधेयक पास हो चुकी है। विधेयक को पिछले साल अगस्त में पेश किया गया था और बाद में चर्चा के लिए संयुक्त संसदीय समिति को भेज दिया गया। समिति की सिफारिशों पर विचार कर इसे सदन में चर्चा के लिए बुधवार को लाया गया। 'वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024' के साथ इससे जुड़े निष्क्रिय हो चुके पुराने अधिनियम को कागजों से हटाने के लिए 'मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक, 2024' लाया गया है। नए विधेयक का नाम अंग्रेजी में यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट इंपावरमेंट इफिशिएंट एंड डेवलपमेंट बिल (उम्मीद बिल) रखा गया है। हिन्दी में यह एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास अधिनियम होगा। संशोधन के बाद एक वर्ग जहां इस बिल का लगातार विरोध कर रहा था, वहीं एक बड़ा वर्ग इसका समर्थन कर रहा था। मुसलमानों में भी इस बिल को लेकर समर्थन और विरोध दोनों था । विधेयक पास होने के बाद इस मामले में लोगों ने बॉर्डर न्यूज़ मिरर के साथ अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की ।

वक्फ बोर्ड बिल का भारी बहुमत के साथ पारित होना राष्ट्रहित में उठाया गया एक बेहतरीन और ऐतिहासिक कदम है। इस देश में हिंदुओं के अलावा अन्य कई धर्मों के लोग भी नागरिक अधिकार रखते हैं। भारत का संविधान सबों को अधिकार और संरक्षण देता है। अब इस बिल के पारित हो जाने से उसकी इन कोशिशों को लगाम लग जाएगी और भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लग सकेगा। आज मोदी जी की सरकार है और वह सही समय पर उचित निर्णय लेने में सक्षम और समर्थ है जिसका परिणाम हमेशा राष्ट्रहित में और राष्ट्र के विकास में होता है।

प्रो. (डॉ.) अरुण कुमार पूर्व प्राचार्य, एमएस कॉलेज, मोतिहारी।

वक्फ बोर्ड अगर किसी दूसरे की जमीन को घोषित करता है कि यह जमीन मेरा है तो वह लोकतांत्रिक नहीं है और ना ही संवैधानिक है। यह अराजक वाली स्थिति है। यह जनजातीय प्रणाली वाली बात है। वक्फ बोर्ड बिल कांग्रेस के द्वारा लाया गया था। यह ना तो देश हित में है और ना ही समाज हित में सही है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत यह अनुचित नहीं है।

प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा प्राचार्य एलएनडी कॉलेज, मोतिहारी।

भारत एक प्रजातांत्रिक एवं धर्म निरपेक्ष देश है और वक़्फ़ संशोधन बिल इस बात को सारगर्भित करता है। बोर्ड में महिलाओं का शामिल होना और संपत्ति का ब्योरा ऑनलाइन होना महिला शक्ति के प्रति सजगता एवं पारदर्शिता को दर्शाएगा। एक ओर जहां गैर मुस्लिम सदस्यों की भागीदारी से निष्पक्षता का भाव उभरेगा वहीं दूसरी ओर संबंधित विवाद होने पर अदालत द्वारा विधि संगत न्यायपूर्ण समाधान हो सकेगा।बोर्ड की संपत्ति का समुचित सदुपयोग विकास में हो सकेगा।

प्रो. प्रिय रंजन झा सहायक प्राध्यापक एलएनडी कॉलेज बीएड विभाग, मोतिहारी।

बहुप्रतिक्षित वक्फ बोर्ड बिल संशोधन विधेयक 2025 लोकसभा में पेश हो जाने से विपक्ष के सदस्य इसके विरुद्ध अपनी आवाज बुलंद करने में लगे हैं। बिहार की राजनीतिक दलों की तो बीजेपी, जेडीयू, एलजेपीआर, हम, आरएलएम इसके समर्थन में है। वहीं दूसरी तरफ आरजेडी, कांग्रेस के सदस्य इसका विरोध कर रहे हैं। इसमें कुछ कमियां रह गई है जिसे लागू करना जरूरी था। कुल मिलाकर राष्ट्रहित में सही है।

डॉ. मनोज कुमार सिंह चर्चित ऑर्थोपेडिक सर्जन हड्डी, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ, मोतिहारी।

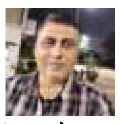

वक्फ बोर्ड बिल जिस स्वरुप में आना चाहिए था उस स्वरूप में नहीं आ पाया। इसमें सहयोगी पार्टी के दबाव में कई विषयों को निकाल दी गई है। इस बोर्ड बिल की स्थिति यह है कि यह है तो शेर लेकिन इसके खाने के दांत ही गायब है। सरकार पूर्ण बहुमत में नहीं है इसलिए ऐसा हुआ है। इससे डरने की कोई बात नहीं है। इससे भारतीय कानून के रूप में ला दिया गया है। अभी भी इसमें बहुत कमियां है जो विपक्षी पार्टी के दबाव में लागू नहीं हो पाया है।

निदेशक सेन्ट आरसेटी पूर्वी चंपारण, मोतिहारी।

भारत सरकार की नीतियां लगातार सवालों के घेरे में रही हैं, और नए वक्फ बिल में किए गए संशोधन ने एक बार फिर से देश के मुसलमानों और अन्य समाजों में असंतोष पैदा कर दिया है। सरकार के इस कदम से यह प्रतीत होता है कि वह वक्फ बोर्ड की ज़मीनों को अपने समर्थकों को सौंपने की मंशा रखती है, जिससे न केवल इन संपत्तियों का उद्देश्य बिगड़ेगा, बल्कि यह समाज के एक हिस्से को डरा और असुरक्षित महसूस कराएगा।

हशमत अली सामाजिक कार्यकर्ता, मेहसी, पूर्वी चंपारण।

वक्फ बोर्ड बिल का हम विरोध करते हैं। बिहार के मुसलमानों को सोचना चाहिए कि हम किसके साथ हैं। आज नीतीश कुमार ने साबित कर दिया कि हम संप्रदायिक शक्तियों को बढ़ावा देने वालो के साथ हैं। नीतीश कुमार कभी धर्मनिरपेक्ष नहीं हो सकते जोभी मुस्लिम नेता नीतीश या चिराग के साथ हैं वैसे मुसलमानों का सामाजिक बहिष्कार होना चाहिए।

नुरुल होदा जिला अध्यक्ष युवा राजद, पूर्वी चंपारण।

अगर सरकार ने जोर-जबरदस्ती वक्फ बोर्ड को पास कराया तो मुसलमान पूरे देश में इसके खिलाफ प्रोटेस्ट करेगा।

नासीर खान, सामाजिक कार्यकर्ता, मोतिहारी।

एक ही रात दो घरों में लाखों की चोरी

बीएनएम। तुरकौलिया

बेलवाराय पंचायत के वार्ड 8 में चोरों ने एक ही रात दो घरों में लाखों की चोरी किया है। पीड़ित घर मालिकों में गुल्ली पटेल और रंजीत पटेल है। चोरी के बाद घर मालिक का रो-रो कर बुरा हाल है। दोनों घरों में कुछ दिन बाद बेटे की शादी होने वाली थी। शादी को लेकर गहना के साथ कपड़ा का खरीदारी किया गया था। चोरी के बाद पेटी को चोरों ने सरेह में फेंक दिया था। जबकि गहना, रुपया लेकर फरार हो गए थे। दोनों लोगों के घरों में केवल मुख्य गेट पर ही दरवाजा लगा हुआ था। जबकि अन्य घरों में दरवाजा नही था। इसी का फायदा चोरो ने उठाया है। पीड़ित गुल्ली पटेल के परिजनों ने बताया कि घर मे शादी होने वाला था। अपनी पुत्री को सोमवार को ससुराल से बुलाया था। वह अपना सारा गहना लेकर आई थी। चोर पुत्री की गहने वाला पेटी और बेटे का एक मोबाइल चुरा ले गए। खोजबीन के दौरान पेटी सरेह में फेंका मिला। वही दूसरे रंजीत पटेल के घर से भी एक पेटी गायब था। जिसमें दो लाख रुपया और जेवरात थे। ग्रामीणों के साथ खोजबीन के दौरान पेटी उसी सरेह में फेंका हुआ था। घटना को लेकर पीड़ित ने 112 डायल नंबर पर फोन किया। जहां फौरन 112 के पुलिस पदाधिकारी घटना स्थल पर पहुंच जांच किया है।

अज्ञात बदमाशों ने अपराधी प्रवृत्ति के एक युवक को मारी गोली, जख्मी

बीएनएम। तुरकौलिया

थाना क्षेत्र के कवलपुर नहर के समीप अपराधी प्रवृत्ति के एक युवक को गोली मार दी। दो बाइक पर सवार छह अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया है। पैसे की छीनाझपटी में युवक को गोली मारने की बात बताई जा रही है। जख्मी युवक कवलपुर डीह का उपेंद्र सहनी है। बताया जाता है कि उपेंद्र शौच करने नहर के तरफ गया था। लौटने के दौरान दो बाइक पर सवार छह लोगों ने घेर लिया। घेरकर पैसे मांगने लगे। वह मोबाइल दे रहा था लेकिन वे लोग पैसे निकालने के लिए बोल रहे थे। विरोध करने पर उनलोगों ने पॉकेट से रुपया निकाल लिया। साथ ही पैर में गोली मार दिया। ग्रामीणों को सूचना मिली तो उसे उठाकर एक निजी अस्पताल में लेकर पहुँचे।

उसे सीएचसी रेफर कर दिया गया। इसकी सूचना पुलिस को मिली। पुलिस अस्पताल पहुंच जख्मी से घटना की जानकारी लिया। उसे सदर अस्पताल भेज दिया गया। उसके पैर में गोली फंसी हुई थी। एक्सरे होने पर इस बात की जानकारी हुई। सदर अस्पताल से मुजफ्फरपुर रेफर किया गया। लेकिन परिजन मोतिहारी में ही एक निजी अस्पताल में इलाज करवा रहे हैं। जख्मी युवक सहित चार लोगो पर वर्ष 2022 में केस दर्ज हुआ था। उनलोगों ने एक राहगीर का मोबाइल झपटकर भाग रहे थे। ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा था। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। युवक अपराधी किस्म का है। सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। आवेदन मिलने पर आगे की कर्रवाई की जाएगी।

महाविष्णु यज्ञ को लेकर 551 कुंवारी कन्याओं द्वारा निकाली गयी भव्य कलश यात्रा

बीएनएम। मोतिहारी

» घोड़ासहन प्रखंड स्थित गोविंदपुर चारधाम मंदिर प्रांगण में श्री महाविष्णु यज्ञ प्रारंभ

जिले के घोड़ासहन प्रखंड स्थित अरुणा नदी के किनारे दो प्रखंडों को जोड़ने वाली गोविंदपुर स्थित चार धाम मंदिर से बुधवार को नौ दिवसीय श्री महाविष्णु यज्ञ को लेकर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में 551 कुंवारी कन्याओं ने भाग लिया। यज्ञ स्थल से निकली कलश गोविंदपुर, बरवाकला,समेत पूरे क्षेत्र का भ्रमण करते हुए गोविंदपुर स्थित अरुणा नदी के उत्तरवाहिनी तट पर पहुंची। जहां आचार्य प्रेमनारायण के द्वारा विधिवत् मंत्रोच्चारण से कलश में जल भरा गया। आचार्य ने कहा कि किसी भी शुभ कार्य पूरा करने से पहले कलश यात्रा निकाली जाती है। तब ही शुभ माना जाता है। कहा कि समय -समय पर गांव एवं समाज के बीच इस तरह से पूजा -पाठ के कार्यक्रम होते रहना चाहिए ताकि लोग इस भागदौड़ की जिंदगी से समय निकाल कर भगवान का भजन-कीर्तन करे और लोगों के मन में कोई गलत विचार नही आये। गाजे- बाजे के साथ निकाली गई कलश यात्रा में महिलाओं बच्चों सहित सैकड़ों स्थानीय ग्रामीणों ने भी बढ़ चढ़ कर भाग लिया। यज्ञ के आयोजक श्री श्री 108 रघुवीर दास जी महाराज ने बताया कि 11 अप्रैल तक होने वाले इस महायज्ञ के दौरान प्रतिदिन हवन,पूजन,आरती आदि धार्मिक अनुष्ठान के अलावा भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। मौके पर संचालक श्री श्री 108 सीताराम दास जी महाराज, व्यवस्थापक श्री 108 श्री रामजी दास जी महाराज,पूर्व मुखिया व वर्तमान पैक्स अध्यक्ष कुश कुमार, प्रमुख प्रतिनिधि भोला यादव,उमेश कुमार, पूर्व मुखिया अवधेश सिंह, जयप्रकाश यादव, भोला सिंह, रामबाबू सिंह, लव कुमार यादव, आकाश यादव, मनोज कुमार, कन्हैया कुमार सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

प्रतिभा खोज सम्मान समारोह आयोजन कर मेधावी छात्राओं को किया गया सम्मानित

बीएनएम। अरेराज

अरेराज में आयोजित एक प्रतिभा खोज सम्मान समारोह में, 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर गन्ना उद्योग मंत्री कृष्णानंदन पासवान ने अपने संबोधन में कहा कि अरेराज क्षेत्र के हरसिद्धि विधानसभा के बच्चों ने जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है, जो क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। विधायक सुनील मणि तिवारी ने सभी शिक्षकों से आग्रह किया कि वे गरीब और मेधावी बच्चों को निःशुल्क कॉपी-कलम उपलब्ध कराएं, जिसका खर्च वे स्वयं वहन करेंगे। नगर अध्यक्ष अमितेश पांडे ने भी मेधावी छात्रों को पुरस्कृत किया। सभी छात्रों को मेडल, प्रशस्ति पत्र, पुष्प माला और मिठाई भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। जूना अखाड़ा के पीठाधीश्वर रवि शंकर गिरी जी महाराज ने घोषणा की कि प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को मंदिर प्रबंधन की ओर से 11,000 रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। अग्रदूत द्वारा आयोजित इस सम्मान समारोह की सभी अतिथियों ने सराहना की। मंच का संचालन मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक मदन मोहन शास्त्री ने किया। इस अवसर पर इनाक्ष के महासचिव राजेंद्र कुमार मिश्रा, पूर्व प्राचार्य कामेश्वर मिश्र, पूर्व प्रधानाध्यापक प्रभाकर मिश्रा, मुखिया प्रतिनिधि रामबाबू मिश्रा, विधायक सुनील मणि तिवारी, बीएन झा, अग्रदूत के निदेशक संजय कुमार ओझा, मॉडर्न कोचिंग के रत्नेश कुमार मिश्रा, मन्नू कुमारी, जय गोविंद यादव और संजय ने भी सभा को संबोधित किया। धनबाद ज्ञापन लक्ष्य क्लासेज के निदेशक राजेश कुमार सिंह ने किया।

छठव्रतियों ने किया खरना का प्रसाद ग्रहण

बीएनएम। योगापटी

मंगलवार को नहाए खाए से शुरू हुआ छठ पर्व के दूसरे दिन बुधवार को खरना का आयोजन किया गया। खरना का प्रसाद ग्रहण करने के साथ ही 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो गया इसलिए इसे शुद्धीकरण कहा जाता है। खरना का मतलब है शुद्धीकरण। बृहस्पतिवार को अस्ताचलगामी सूर्य को शुक्रवार को उदयागामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। आपको बता दे की खरना का महत्व खरना में दूध, अरवा चावल और गुड़ से बनी खीर और दोस्ती रोटी (दो रोटियों को अलग-अलग बेल कर फिर साथ में मिलाकर बेला जाता है) का भोग लगाया जाता है। गुड़ वाली खीर को रसियाव कहते हैं। शाम के समय व्रती इसी का प्रसाद ग्रहण किया। इसे ही खरना कहते हैं। इस दिन बिना अन्न और जल के रहा जाता है। नमक और चीनी का उपयोग बिल्कुल मना होता है। खरना का प्रसाद भी व्रती वितरित करते हैं।शांति का ध्यान रखा जाता है खरना का प्रसाद ग्रहण करते समय पूर्ण शांति जरूरी है। नियम के अनुसार उस समय किसी तरह का शोर नहीं होना चाहिए। व्रती के कान में किसी की आवाज आ जाती है तो वह उसी समय प्रसाद खाना रोक देते हैं। इसलिए व्रती द्वारा प्रसाद ग्रहण करते समय घर के सभी लोगों को बता दिया जाता है कि व्रती प्रसाद खाने जा रहे हैं, शांति से रहें। इसलिए इस समय लोगों को पटाखेबाजी भी नहीं करनी चाहिए।

देसी कट्टा और कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

बीएनएम। अरेराज

रामगढ़वा। बुधवार को पलनावा पुलिस ने थाना क्षेत्र के तपसी परसौना पंचायत के गाद बहुवरी निवासी शमशाद आलम पिता नुरुल होदा के घर पर गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी की गई। छापेमारी के क्रम में अभियुक्त शमशाद आलम द्वारा रखे एक लकड़ी के बॉक्स में एक देसी कट्टा और एक कारतूस को बरामद किया गया। यह कारवाई थानाध्यक्ष सीता केवट के नेतृत्व में की गई। वही अभियुक्त शमशाद आलम को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। थानाध्यक्ष सीता केवट ने जानकारी देते हुए बताया कि

गुप्त सूचना मिला थी कि उक्त वेक्ति अपने घर में देशी कट्टा और कारतूस रखा है जानकारी मिलते ही पुलिस बल के साथ छापेमारी कर देसी कटा और कारतूस सहित गिरफ्तार कर लिया है और इसके ऊपर थाना कांड संख्या 52/25 धारा 25(1-b) a/26/35 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत कांड दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी अभियान में दरोगा अभिषेक कुमार सहित सभी पुलिस बल मौजूद थे।

देश का माहौल बिगाड़ने वालों पर सख्ती जरुरी

मुसलमानों को सरकारी ठेकों में चार फीसद आरक्षण देने के के कर्नाटक सरकार के फैसले का राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने विरोध किया है। संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने कहा भारतीय संविधान में धर्म आधारित आरक्षण स्वीकार्य नहीं है, जिसे भीमराव अंबेडकर ने तैयार किया था। संघ का निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक के समापन के अवसर पर होसबोले ने कहा, ऐसा करने वाला कोई भी व्यक्ति हमारे संविधान निर्माता के खिलाफ जा रहा है। उन्होंने दोहराया कि पूर्व में अविभाजित आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र की तरफ से किए गए मुसलमानों के लिए आरक्षण के प्रयासों को उच्च न्यायालयों व उच्चतम न्यायालय ने खारिज कर दिया था। महाराष्ट्र में औरंगजेब की कब्र को लेकर उठे विवाद पर उन्होंने कहा औरंगजेब का महिमामंडन किया गया, उसका भाई दारा शिकोह का नहीं, जो सामाजिक सद्भाव में विश्वास रखने वाला शख्स था। भारत के मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों को आदर्श बनाने की बात करते हुए उन्होंने महाराणा प्रताप की सराहना की। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को केवल संघ की उपलब्धि न मानते हुए, उन्होंने इसे पूरे हिन्दू समाज की उपलब्धि बताया। हिन्दू संस्कृति व हिन्दू एकता के नाम पर वह अपनी विचारधारा पर जोर देते रहते हैं। गैर-राजनीतिक होने के बावजूद संघ के सदस्य राजनीति में सक्रिय रहते हैं। मौजूदा सरसंघचालक मोहन भागवत कहते हैं, संघ कार्य प्रणाली है और वह व्यक्ति निर्माण करती है। मगर मौजूदा राजनीति व मोदी सरकार पर संघ की विचारधारा की गहरी छाप स्पष्ट है। यहां असल सवाल समुदाय विशेष को दिए गए आरक्षण की नहीं है। अंबेडकर द्वारा तैयार किए आरक्षण को राजनीतिक दलों ने अपने तरीके से परिभाषित करने का तरीका ईजाद कर लिया है, जो अपने फौरी लाभ के लोभ में आरक्षण की घुट्टी पिला कर अपना मतलब निकालने में जुटी नजर आती हैं। बार-बार अदालत के हस्तक्षेप के बावजूद स्वयं केंद्र सरकार ने इसका कोई ठोस हल निकालने की जहमत नहीं की है।

यमुना की सफाई और दिल्ली को प्रदूषण मुक्त बनाने की बड़ी चुनौती

मनोज कुमार मिश्र

27 साल बाद दिल्ली में भाजपा की सरकार बनी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 25 मार्च को बतौर वित्तमंत्री एक लाख करोड़ का बजट पेश करके अपनी सरकार के कामकाज की दिशा तय की। दिल्ली के लिए यह ऐतिहासिक बजट माना जा रहा है। बजट में उन सभी कामों के लिए आवंटन किया गया है, जिनके वायदे भाजपा ने विधानसभा चुनाव के दौरान किए थे। कुछ पर तो काम भी शुरू हो गया है और कुछ पर आने वाले दिनों में काम शुरू होने के संकेत हैं। मुख्यमंत्री ने पिछले बजट से करीब 31.5 फीसदी की बढ़ोतरी कीहै और उनका दावा है कि इस वित्तीय सालमें राजस्व भी 58,750 करोड़ रुपए के मुकाबले 68,000 करोड़ रुपए मिलने वाला है। वैसे तो हर काम में पैसे के साथ-साथ पूरी तैयारी और चौकसी जरूरी है लेकिन यमुना की सफाई के साथ-साथ पानी का संकट दूर करने और दिल्ली को प्रदूषण मुक्त बनाने की बहुत बड़ी चुनौती है। ये सभी काम केवल पैसे से न होंगे। विधानसभा चुनाव के दौरान अन्य मुद्दों से ज्यादा ये दोनों मुद्दे प्रभावी रहे। सरकार बनते ही मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपने मंत्रिमंडल सहयोगियों के साथ यमुना की आरती में शामिल हुई और यमुना को साफ करने का संकल्प दोहराया। यमुना का पानी मानक के हिसाब से तो यमुनोत्री के आगे कुछ ही दूर तक साफ है लेकिन दिल्ली में पल्ला बांध (वजीराबाद) से ओखला यानी 22 किलोमीटर तो गंदे नाले से भी बदतर हाल में है। इसको साफ करने के नाम पर वर्षों से करोड़ों रुपए खर्च किए जा चुके हैं। इस सरकार ने बजट में यमुना की सफाई के लिए नौ हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। यह वर्षों से प्रयास किया जा रहा है कि यमुना में गंदा पानी जाने से रोका जाए। यमुना को साफ कर उसे अहमदाबाद के सावरमती नदी की तरह विकसित की जाए। यमुना के किनारे कोयले बिजली बनाने वाले संयत्र सालों पहले बंद करा दिए गए। औद्योगिक कचरे या सीवर के गंदे पानी को साफ करने वाले संयंत्रों के माध्यम से साफ करके ही पानी यमुना में जाने दिया जाए। यमुना को प्रदूषित करने में अव्वल माने जाने वाले नजफगढ़ नाले में इंटरसेप्टर लगवाया गया। इस बजट में भी नए इंटरसेप्टर का प्रावधान किया गया है। 1994 में जब यमुना के पानी में दिल्ली को तब के मुख्यमंत्री मदनलाल खुराना ने हिस्सा दिलाया था, तब दिल्ली का हरियाणा के साथ एक और समझौता हुआ था कि हरियाणा जितना पीने का पानी पल्ला बांध पर दिल्ली को देगा, दिल्ली उसे उतना ही पानी ओखला बांध पर सिंचाई के लिए देगी। अभी यमुना का पानी साफ होने को ही दिल्लीवासी सपना मान रहे हैं। अगर ऐसा हो गया तो दिल्ली पानी के मामले काफी आत्मनिर्भर हो जाएगी और यमुना साफ होकर दर्शनीय बन जाएगी। यमुना सफाई जितना ही कठिन काम दिल्ली को प्रदूषण मुक्त या यहां का प्रदूषण स्तर कम करना है। दिल्ली सरकार के बजट में इसको भी प्राथमिकता दी गई है। अलग-अलग तरीके से प्रदूषण नियंत्रित करने की बात कही गई है लेकिन बड़ी बात यह है कि सभी तरह के प्रदूषण (वायु, जल और हवा इत्यादि) के साथ-साथ कचरा और आपदा प्रबंधन के लिए एक ही जगह निगरानी व्यवस्था के लिए साझा केन्द्र (इंट्रीग्रेटेड कमान एंड कंट्रोल सेंटर) बनाने का प्रावधान किया गया है। कहने के लिए 1483 वर्ग किलोमीटर की दिल्ली है लेकिन एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) के शहर दिल्ली से इस कदर जुड़े हुए हैं कि उन सभी को साथ लिए बिना कोई अभियान सफल नहीं हो सकता। केन्द्र सरकार के साथ मिलकर दिल्ली के सभी पड़ोसी राज्यों, दिल्ली नगर निगम और दूसरी सरकारी एजेंसियों को साथ लेकर जनता की सक्रिय भागीदारी से इसका समाधान निकाला जा सकता। यह साबित हो चुका है कि केवल आधे कारों को हर रोज सड़क पर आने से रोकने से वायु प्रदूषण में ज्यादा कमी नहीं आने वाली है। दूसरे, सरकारी कुव्यवस्था झेल रहे सार्वजनिक परिवहन प्रणाली इस हालत में भी नहीं है कि दिल्ली सरकार इस तरह के प्रयोग बार-बार कर पाए। गिनती के बचे दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) और सरकार के अधीन चलने वाली बसों की तादाद तुरंत बढ़ानी होगी। इस बजट में सार्वजनिक परिवहन पर 12,952 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। सरकार ने बिजली से चलने वाली पांच हजार बसें तुरंत खरीदने का वायदा किया है। दिल्ली के चारों ओर ईस्टर्न पेरिफेरियल और वेस्टर्न पेरिफेरियल सड़क बन जाने से दिल्ली होकर एक राज्य से दूसरे राज्य जाने वाले ट्रकों का दिल्ली के भीतर आना कम हुआ है। केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने दिल्ली के लिए 50 हजार करोड़ की परियोजना बनाई थी, इसमें ज्यादातर पूरे भी हो गए हैं। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) समेत अनेक अदालतों ने दिल्ली को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए बार-बार कड़े आदेश दिए हैं। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की एक बड़ी वजह पराली जलाना भी माना जाता है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के किसान खेत में फसलों के अवशेष जलाते हैं, जिसका धुंआ दिल्ली पर छा जाता है। अदालती आदेश के बाद सरकारों ने पराली न जलाने और पराली के दूसरे बेहतर उपयोग के प्रयास शुरू किए हैं। इसी तरह एनजीटी

ने पेट्रोल से चलने वाली 15 साल पुरानी और डीजल से चलने वाली 10 साल पुरानी कारों पर पाबंदी लगा दी है। बावजूद इसके प्रदूषण कम होता नहीं दिख रहा है। दिल्ली में पहले भी सारे व्यवसायिक वाहनों को अदालती आदेश से सीएनजी पर चलाया जा रहा है। हालात एक दिन में खराब नहीं हुए हैं। कुप्रबंधन एवं सरकारी लापरवाही ने दिल्ली के हालात बदतर बना दिए और सुधार के आसार दिख नहीं रहे। सुप्रीम कोर्ट ने 28 जुलाई 1998 को आदेश दिया कि दिल्ली में चलने वाली सभी बसों को धीरे-धीरे सीएनजी पर लाया जाए। इसकी तारीख 31 मार्ट 2001 तय की गई। सरकारें एक- दूसरे पर जिम्मेदारी टालती रही तो अप्रैल 2002 में सुप्रीम कोर्ट ने दोबारा सख्त आदेश दिए। उसके बाद सीएनजी पर बसों और व्यवसायिक वाहनों को लाने की प्रक्रिया तेज हुई। कायदे में 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन में मिले पैसों से दिल्ली की सड़कों पर बसें दिखने लगी। दिल्ली सरकार ने हाई कोर्ट में 15 हजार बसें चलाने का हलफनामा दे रखा है लेकिन अब तो 2010 की बसें भी सड़कों से हटने लगी और बसों की संख्या गिनती की रह गई हैं। डीटीसी के अधीन चलने वाली निजी बसें ही सड़कों पर दिख रही है। दिल्ली मेट्रो अपनी गति से चल रही है। काफी लोग लोकल रेल से भी यात्रा करते थे, उसे भी अभी ठीक से शुरू नहीं किया गया है। सार्वजनिक परिवहन प्रणाली की कमी के चलते जिसके लिए संभव है, वह अपने वाहन से यात्रा कर रहा है। ऐसे में सड़कों पर से वाहनों की भीड़ कम कैसे हो सकती है? दिल्ली में पंजीकृत वाहनों की तादाद एक करोड़ से ज्यादा है। लाखों वाहन एनसीआर के दूसरे राज्यों में पंजीकृत हैं जो हर रोज दिल्ली में चलते हैं। इसलिए कोई भी योजना पूरे एनसीआर के लिए बनाने के बाद ही प्रदूषण पर काबू पाया जा सकता है। दिल्ली का न अपना मौसम है और न ही दिल्ली वालों की जरूरत पूरा करने के लिए बिजली और पानी। दिल्ली की किसी भी समस्या का समाधान करना अकेले दिल्ली के बूते नहीं है। दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली बेहतर हो ताकि सड़कों से निजी वाहनों की संख्या कम की जा सके। सड़कों को जाम से मुक्त करने के लिए ठोस प्रयास हो। दिल्ली में बाहर से आने वाले वाहनों से प्रदूषण कम करने के मानकों पर अमल करवाया जाए। प्रदूषण फैलाने वाले किसी भी उद्योग को दिल्ली में नहीं चलने दिया जाए। दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण रोकने के मानकों पर कड़ाई से अमल हो। पर्यावरण को राजनीतिक मुद्दा बनाने के बजाए आम जन के जीवन बचाने का मुद्दा बनाया जाए। इसी तरह आम भागीदारी और सरकारी तंत्र के प्रयास से यह सुनिश्चित करना होगा कि यमुना में एक बूंद भी गंदा पानी न जाए और उसमें किसी तरह का कूड़ा-कचरा डालने पर कठोर दंड दिया जाए। मूल समस्या दिल्ली की अनधिकृत कालोनी और अवैध निर्माण है, जिनमें से ज्यादातर में सीवर प्रणाली है भी नहीं जहां है भी वह कारगर नहीं है।

सूडोकु नवताल- 7389

★★★☆☆ मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7388 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

लोकतंत्र का दिखावा बिखर रहा

श्रुति व्यास

क्या आपको एलेक्सी नवलनी याद हैं? वे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए बड़ा खतरा बन गए थे। नतीजतन पुतिन ने नवलनी को मरवा दिया। और उसके बाद से पुतिन चैन की बंसी बजा रहे हैं। तुर्की में भी एक नवलनी उभरा है। वे इस्तांबुल के मेयर इकरम इमामोग्लु हैं, जिन्हें तुर्की के अगले राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष का उम्मीदवार माना जा रहा है। वे देश के 71 वर्षीय थके-मांदे राष्ट्रपति रजब तैयब इर्दोगान के लिए बड़ा खतरा बन गए हैं। यही वजह है कि इर्दोगान ने 19 मार्च को इमामोग्लु को गिरफ्तार करवा दिया। उसी दिन 105 अन्य व्यक्तियों की गिरफ्तारी के वारंट भी जारी किए गए, जिनमें इमामोग्लु के कुछ सलाहकार, उनकी रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी (सीएचपी) से जुड़े कुछ म्युनिसिपिल पदाधिकारी और शीर्षस्थ पत्रकार भी शामिल हैं। देखते ही देखते देश में अफरातफरी के हालात बन गए। देश राजनैतिक संकट में फंस गया। तुर्की के लोकतंत्र के लिए यह एक बड़ा खतरा है। इमामोग्लु के समर्थक सड़कों पर उतर आए। उन्होंने चक्का जाम किए और जिस थाने में उन्हें गिरफ्तारी के बाद ले जाया गया था, उसके सामने विरोध प्रदर्शन किया। ये विशाल प्रदर्शन पिछले एक दशक के दौरान हुए सबसे बड़ा प्रदर्शन था। इन हालातों में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिया गया और 'दि इकोनोमिस्ट के अनुसार तुर्की के अधिकारियों ने पुराना सोवियत नुस्खा अपनायाः ''जिसके खिलाफ कार्यवाही करनी हो, उसका नाम किसी न किसी अपराध से जोड़ दो''। पिछले तीन सालों के दौरान इमामोग्लु को कई जांचों और आरोपों का सामना करना पड़ा है, जो भ्रष्टाचार से लेकर उन चुनाव अधिकारियों के अपमान तक से संबंधित थे, जिन्होंने उन्हें 2019 में मेयर पद के चुनाव में जीत से महरूम रखने का प्रयास किया था। अब उन पर एक आपराधिक गिरोह का सरगना होने, एक आतंकवादी समूह की मदद करने, सरकारी ठेकों में रिश्वतखोरी और हेराफेरी आदि के कई प्रकार के आरोप लगाए गए हैं। तुर्की के अधिकारियों ने इस बात का खंडन किया है कि इमामोग्लु, जो राष्ट्रपति के प्रतिद्वंद्वी हैं, पर लगाए गए आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। इमामोग्लु बहुत थोड़े समय में ही राष्ट्रपति इर्दोगान और उनकी सरकार के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं। उनके नेतृत्व में पिछले वर्ष स्थानीय चुनावों में विपक्ष ने जीत हासिल की। यह इर्दोगान और उनकी सत्ताधारी जस्टिस एंड डेव्लपमेंट (एके) पार्टी की बीस सालों से अधिक की अवधि में पहली हार थी। उस जीत के बाद से वे जनमत संग्रहों में इर्दोगान पर अच्छी खासी बढ़त बनाए हुए हैं और 2028 में होने वाले चुनाव, जिनके बारे में कहा जा रहे है कि वे निर्धारित समय के पहले ही करा लिए जाएंगे, में उनका राष्ट्रपति पद का विपक्ष का उम्मीदवार बनना लगभग तय माना जा रहा है। तुर्की का लोकतंत्र का मुखौटा हटता जा रहा है और वहां ऐसे हालात बनते जा रहे हैं जिनमें राजनैतिक प्रतिस्पर्धा लगभग असंभव होती जा रहा है। ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि अंकारा के मेयर, जो राष्ट्रपति पद के एक अन्य संभावित दावेदार हो सकते हैं, को भी इमामोग्लु जैसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। लोकतंत्र का दिखावा बिखर रहा है और यह तुर्की की अर्थव्यवस्था पर भी बहुत बुरा असर डाल रहा है। तुर्की की मुद्रा लीरा, जो पिछले कुछ सालों में कमखर्ची और ब्याज में वृद्धि के चलते कुछ मजबूत हुई थी, की कीमत में इमामोग्लु की गिरफ्तारी के कुछ ही घंटों के भीतर डालर की तुलना में 12 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आ गई। तुर्की पिछले कई सालों से आर्थिक संकट से जूझ रहा है जिसके चलते जीवन अधिक खर्चीला हो गया है, और जिसके कारण इन प्रदर्शनों के बहुत पहले से सरकार को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था। लेकिन अब तो इस्तांबुल की सड़कों पर अशांति है। लोगों के एकत्रित होने पर पाबंदी होने के बावजूद पिछले छःह दिनों से लगातार प्रदर्शन जारी हैं। दस पत्रकारों सहित 1100 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। इस कार्यवाही से निवेशकों का भरोसा हिल गया है और यदि इर्दोगान, पुतिन की राह पर चलते रहे तो तुर्की को आर्थिक संकट का सामना तो करना ही पड़ेगा, वहां रूस जैसे हालात बन जाएंगे। इमामोग्लु का अंत भले ही निकट भविष्य में नवलनी जैसा हो या न हो, लेकिन यह तो पक्के तौर पर कहा जा सकता है कि उन विज्ञापनों के दिन लद गए हैं जिनमें तुर्की को पर्यटन और सैर-सपाटे के नए ठिकाने के रूप में प्रचारित किया जाता था। इसके उलट, देश अंधकार के रसातल में धंस सकता है।

मेष राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है। करियर में कुछ उलझनें आएंगी लेकिन किसी अनुभवी सीनियर्स की मदद से आपको समाधान मिलेगा। आज घर में बच्चों के साथ आपका अच्छा टाइम बितेगा। माता-पिता बच्चों को अच्छी सलाह भी दे सकते है। छात्र आज ऑनलाइन कुछ नया सीखने की कोशिश करेंगे।

वृष राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। इस राशि की महिलाओं के लिए आज का दिन बहुत ही खास है, अपना समय शॉपिंग में बिता सकती हैं। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को आज किसी मल्टीनेशनल कंपनी से ऑफर आ सकता है। दांपत्य जीवन में आज मधुरता बनी रहेगी। आज आपके पास बिजनेस को आगे बढ़ाने का अच्छा मौका है। कॉम्पटीशन की तैयारी कर रहे छात्रों को तैयारी जारी रखनी चाहिए।

मिथुन राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। व्यापार के मामले में आज का दिन अच्छा रहने वाला है, बेहतर होगा किसी भी मौके को हाथ से न जाने दें। आज आप जरूरतमंद लोगों की मदद करेंगे। आज आप हर तरह के काम निपटाने के लिए तैयार रहेंगे। आज आपको सोचे हुए कामों से फायदा हो सकता है।

कर्क राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आप परिवारवालों के साथ समय बिताएंगे। घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। आपकी कड़ी मेहनत से लोग प्रभावित होंगे और आपका अनुसरण करेंगे। आज आप ऑफिस के किसी काम में उलझे रहेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स कॉलेज में कुछ नया सीखेंगे। रोज की अपेक्षा आज व्यापार में अच्छा मुनाफा होगा। आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत रहेगा।

सिंह राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है समाज हित में किए गए कामों की तारीफ होगी। आज आपको उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर पॉजीटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। आज रोजगार में नई उपलब्धि मिलने के योग हैं। आज बिजनेस में आपको फायदा होगा। घरेलू जरूरत की चीजों की खरीददारी करेंगे, जिससे जीवनसाथी आपसे प्रसन्न होंगे।

कन्या राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आपको मेहनत का फल जरूर मिलेगा। कई दिनों से चल रहीं कड़ी मेहनत आज आपको सफल बना सकती है। आज आपको बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है, जिन्हे आप बखूबी निभाएंगे। आज किसी काम को पूरा करने के लिए आस-पास के कई लोग आपको सलाह देंगे।

तुला राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज घर के वरिष्ठ व्यक्ति आपको सही सलाह देंगे, उनकी सलाह को नजरअंदाज न करें। आज आपको पुरानी बातें याद आ सकती हैं। आज व्यापारिक मामलों में आपकी व्यस्तता बढ़ेगी। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अच्छी होगी। अपनी गलतियों से सीखकर आगे बढ़ने की प्रेरणा आपको मिलेगी। किसी दूसरों की नकल न करें अपने आप पर विश्वास रखें।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। इस राशि की महिलाएं, जो घर पर ही बिजनेस करने की सोच रही है उनके लिए आज का दिन अच्छा है। किसी भी काम को करने में जल्दबाजी न करें, अन्यथा वह काम दोबारा करना पड़ सकता है।

धनु राशिःआज आप लोगों को अपनी योजनाओं से सहमत कर लेंगे। अगर आप नई जमीन लेने का प्लान बना रहे हैं तो घर के बड़ों की राय जरूर ले। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। लवमेट एक दूसरे से अपने मन की बात शेयर करेंगे। शाम को परिवार के साथ किसी जरूरी मामले पर बात होगी जहां आप खुलकर अपनी राय रखेंगे। आप किसी नई तकनीक को सीखने की कोशिश करेंगे।

मकर राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट आज अपनी पढ़ाई को लेकर उत्साहित रहेंगे और ज्यादा समय पढ़ाई में व्यतीत करेंगे, यह देखकर आपके घरवालों को ख़ुशी होगी। इस राशि के टेक्सटाइल व्यापारी वर्ग को आज अचानक बड़ा फायदा होने के योग बने हुए है। आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत बना रहेगा।

कुंभ राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। ऑफिस में कार्यशीलता के लिए आपको सम्मानित किया जा सकता है। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं। दोस्ती में चल रही अनबन को ख़त्म करने के लिए आप दोस्ती का हाथ बढ़ा सकते हैं। आपको किसी महिला मित्र का सहयोग मिलेगा।

मीन राशिः आज आप अपने खर्चे पर कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे। आज आप धार्मिक कार्यों में रुचि लेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन थोड़ा अच्छा रहेगा। करियर संबंधी चुनाव आपको थोड़ी परेशानी में डाल सकता है लेकिन सही पॉइंट का चुनाव करना बेहतर रहेगा। माता-पिता से आशीर्वाद लेने से आपकी सभी परेशानियों से राहत मिल जाएगी।

न्यायपालिका की साख खराब

अजीत द्विवेदी

उच्च न्यायपालिका में जजों की नियुक्ति और तबादले की मौजूदा कॉलेजियम प्रणाली की जगह क्या राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग यानी एनजेएसी का विकल्प ज्यादा बेहतर है? इस पर एक बार फिर बहस छिड़ी है। दिल्ली हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के घर कथित तौर पर भारी मात्रा में नकदी की बरामदगी के बाद यह चर्चा शुरू हुई है। कहा जा रहा है इस तरह की घटनाओं से न्यायपालिका की साख खराब हो रही है। लोगों का भरोसा उठ रहा है और न्याय प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। यह भी कहा जा रहा है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि कॉलेजियम प्रणाली के तहत जज ही जजों की नियुक्ति करते हैं। इसके बरक्स यह दलील दी जा रही है कि अगर जजों की नियुक्ति की यह आंतरिक प्रक्रिया समाप्त कर दी जाए राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग बना कर उसके जरिए नियुक्ति हो तो अदालतों में भाई भतीजावाद भी बंद हो जाएगा और भ्रष्टाचार के मामले भी समाप्त होंगे। इससे न्यायपालिका की साख बहाल होगी। सुनने में यह तर्क बहुत अच्छा लग रहा है। किसी को यह बात अपील करेगी कि जज खुद ही जजों की नियुक्ति करते हैं तो वे क्यों नहीं अपने जानने वालों को या अपने रिश्तेदारों को तरजीह देंगे? पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया में एक खास किस्म के इकोसिस्टम के जरिए इस नैरेटिव को स्थापित किया गया है कि सुप्रीम कोर्ट में जजों के बेटे, बेटियां या भाई, भतीजे ही जज बनते हैं। सुप्रीम कोर्ट के पिछले चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के हवाले से यह नैरेटिव ज्यादा मजबूती से प्रचारित हुआ। लोगों को बताया गया कि उनके पिता भी देश के चीफ जस्टिस रहे थे। ऐसा नहीं है कि न्यायपालिका की साख खराब करने वाला प्रचार सिर्फ नियुक्ति और भाई भतीजावाद तक सीमित है। पिछले कुछ समय से दक्षिणपंथी विचार वाले सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए और दक्षिणपंथी विचार वाले कानूनी जानकारों के लेखों और भाषणों के जरिए सुनियोजित ढंग से न्यायपालिका को निशाना बनाया जा रहा है। फैसलों में देरी के हवाले दिए जा रहे हैं। अदालतों में लंबित मुकदमों को मुद्दा बनाया जा रहा है। लंबी छुट्टियों के लिए अदालतों को टारगेट किया जा रहा है। किसी जज या वरिष्ठ वकील के रिश्तेदार जज बनते हैं तो उसके हवाले कॉलेजियम प्रणाली को निशाना बनाया जा रहा है और अगर बीच में कहीं भ्रष्टाचार का कोई मामला आ गया तब तो पूरा सिस्टम ही न्यायपालिका पर टूट पड़ रहा है। याद नहीं आता है कि आजाद भारत में कभी न्यायपालिका इस तरह निशाने पर रही हो। तभी यह खटका होता, संदेह पैदा होता है कि आखिर अचानक न्यायपालिका को क्यों इतना निशाना बनाया जा रहा है? क्यों उसकी साख खराब की जा रही है? क्या विधायिका पर नियंत्रण, प्रतिबद्ध कार्यपालिका और प्रतिबद्ध मीडिया के बाद अब प्रतिबद्ध न्यायपालिका की जरुरत है? क्या न्यायपालिका की स्वतंत्रता को पूरी तरह से कार्यपालिका या विधायिका के अधीन लाने की पृष्ठभूमि तैयार करने के लिए यह सब किया जा रहा है? जस्टिस यशवंत वर्मा प्रकरण के बाद जिस तरह से कॉलेजियम प्रणाली के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है और एनजेएसी की चर्चा शुरू हुई उससे संदेह और गहरा होता है। संसद के बजट सत्र के दौरान इस बात पर सहमति बनाने का प्रयास हो रहा है। सरकार और विपक्षी पार्टियों की साझा सहमति से विधायिका की सर्वोच्चता बनाने की बात हो रही है। सबको पता है कि भारत में विधायिका की सर्वोच्चता का मतलब कार्यपालिका की सर्वोच्चता होता है। भारत में अमेरिका या दुनिया के दूसरे लोकतांत्रिक देशों की तरह विधायिका पूरी तरह से स्वायत्त नहीं है। उसमें वही काम होता है, जो सरकार चाहती है। तभी विधायिका की सर्वोच्चता की बात संदेह पैदा करती है। कहा जा रहा है कि एनजेएसी या इस तरह का कोई अधिकरण बनेगा तो जजों द्वारा जजों की नियुक्ति का सिस्टम बंद होगा और एक स्वायत्त संस्था जजों की नियुक्ति करेगी। लेकिन सवाल है कि क्या एनजेएसी या ऐसी कोई भी संस्था स्वायत्त होगी या कार्यपालिका के नियंत्रण वाली होगी? यह भी सवाल है कि क्या जजों की नियुक्ति का मामला पूरी तरह से कार्यपालिका के हाथ में दिया जा सकता है? आज देश की बाकी तमाम संस्थाएं जिस तरह पूर्वाग्रह के साथ काम कर रही हैं, तमाम एजेंसियां और संवैधानिक वैधानिक संस्थाएं जिस तरह से राजनीतिक और वैचारिक विपक्ष को सरकार का दुश्मन मान कर उनके खिलाफ एकतरफा कार्रवाई कर रही है, क्या गारंटी है कि जजों की नियुक्ति वाला पैनल उसी अंदाज में काम नहीं करेगा और उसके बाद न्यायपालिका भी पूरी तरह से सरकार के नियंत्रण में नहीं आ जाएगी? वैसे जजों की नियुक्ति का जो मौजूदा सिस्टम है उसमें भी सरकार की बड़ी भूमिका है। ऐसा नहीं है कि सुप्रीम कोर्ट का कॉलेजियम जिसका नाम भेज दे वह जज हो ही जाता है। सरकार जिसकी चाहे उसकी सिफारिश रोक सकती है। यहां तक कि दोबारा भेजी गई सिफारिशें भी रोकी जा सकती हैं। खुफिया सूचना के आधार पर सरकार सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिशें रोकती रही है। लोगों को ध्यान होगा कि कैसे सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन चीफ जस्टिस तीरथ सिंह ठाकुर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने रोने लगे थे। हाथ जोड़ कर अनुरोध कर रहे थे कि कॉलेजियम की ओर से भेजी गई सिफारिशों को सरकार मंजूरी दे दे। कितनी बार सुप्रीम कोर्ट को चलती सुनवाई के बीच सरकार से कहना पड़ा है कि वह सिफारिशें लटकाए नहीं। लेकिन सरकार पास एक सीमति वीटो का अधिकार है, जिससे वह जजों की नियुक्ति की सिफारिशें रोक देती है। अगर सरकार इससे भी ज्यादा अधिकार चाहती है, संपूर्ण वीटो चाहती है तो इसका मतलब है कि वह न्यायपालिका को नियंत्रित करना चाहती है। यह स्थिति कॉलेजियम के मौजूदा सिस्टम से ज्यादा खतरनाक हो सकती है। जस्टिस यशवंत वर्मा प्रकरण के बाद कॉलेजियम बनाम एनजेएसी को लेकर जो विवाद छिड़ा है और जैसी सक्रियता दिखाई दे रही है उससे इस वजह से भी संदेह पैदा होता है कि न्यायपालिका के वैचारिक भ्रष्टाचार या वैचारिक विचलन को देख कर इतनी प्रतिक्रिया क्यों नहीं होती है? आर्थिक भ्रष्टाचार या पैसा मिलने की बात को लेकर जितना आक्रोश सत्तापक्ष के लोगों में दिख रहा है और सोशल मीडिया में जैसा माहौल बनाया जा रहा है वैसा आक्रोश वैचारिक विचलन को लेकर क्यों नहीं बनाया जाता है? इसका मकसद जस्टिस यशवंत वर्मा का बचाव करना नहीं है लेकिन क्या जस्टिस शेखर यादव का बयान कम चिंताजनक है। इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज जस्टिस शेखर यादव ने कहा कि भारत बहुसंख्यकों के हिसाब से चलेगा, कानून उन्हीं के हिसाब से काम करेगा और कठमुल्ले देश के लिए खतरनाक हैं। क्या यह बयान न्यायिक आचरण वाला है और न्यायपालिका की गरिमा बढ़ाने वाला है? लेकिन इस बयान पर वैसी कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई, जैसी जस्टिस वर्मा के यहां पैसे मिलने पर हो रही है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईपीएल 2025: पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपरजायंट्स को आठ विकेट से हराया

लखनऊ। पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को आठ विकेट से हराकर इस सत्र की अपनी दूसरी जीत दर्ज की। मंगलवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मेजबान टीम ने 20 ओवर में सात विकेट खोकर 171 रन बनाए। जवाब में पंजाब ने 16.2 ओवर में दो विकेट पर 177 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। लगातार दो मैचों में जीत के साथ पंजाब अंक तालिका में चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गई। लखनऊ की ओर से मिले 172 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब की टीम ने तेज शुरुआत की। हालांकि तीसरे ओवर में 26 के योग पर प्रियांश आर्या के रूप में टीम को पहला झटका लगा। प्रियांश ने 8 रन बनाया। इसके बाद कप्तान श्रेयश अय्यर ने

प्रभसिमरन सिंह का अच्छा साथ दिया और टीम को जीत की ओर अग्रसर किया। इस बीच 69 रन बनाकर प्रभसिमरन आउट हो गए। इसके बाद नेहर वढेरा और श्रेयश ने टीम को 22 गेंद शेष रहते जीत दिला दी। श्रेयश 52 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि नेहल वढेरा ने 43 रन की नाबाद पारी खेली। लखनऊ के लिए दिग्वेश राठी एकमात्र सफल गेंदबाज रहे, जिन्हें दो सफलता मिली। इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ की टीम ने खराब शुरुआत की। पारी के पहले ओवर में ओपनर मिचेल मार्श शून्य पर आउट हो गए। फिर चौथे ओवर में एडन मारक्रम (28 रन) और पांचवे ओवर में कप्तान ऋषभ पंत (02 रन) भी पवेलियन लौट गए। तब निकोलसस पूरन ने आयुष बडोनी के साथ 54 रन की साझेदारी कर टीम को पटरी पर लाने की कोशिश की। हालांकि पूरन अपना अर्धशतक पूरा नहीं कर पाए और 44 रन के निजी योग पर आउट हो गए। बडोनी ने डेविड मिलर (19 रन) और अब्दुल समद (27 रन) के साथ छोटी छोटी साझेदारी कर टीम के स्कोर पर 171 तक पहुंचाया। बडोनी ने 41 रन की शानदार पारी खेली। पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह ने सबसे अधिक 3 विकेट चटकाए। जबकि लोकी फर्गुसन, ग्लेन मैक्सवेल, मार्को यानसेन और यजुवेंद्र चहल को एक-एक सफलता मिली।

हार के बाद लखनऊ की पिच पर फूटा जहीर खान का गुस्सा, कहा-ऐसा लग रहा था जैसे पंजाब के क्यूरेटर ने तैयार की हो

लखनऊ। आईपीएल 2025 में घरेलू मैदान की पिच से परेशान होने वाली टीमों की सूची में अब लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) भी शामिल हो गई है। कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बाद, अब एलएसजी भी अपने होम ग्राउंड की पिच से निराश नजर आई। टीम के मेंटॉर ज़हीर खान ने मंगलवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली 8 विकेट की हार के बाद अपनी नाराजगी ज़ाहिर की और कहा कि ऐसा लग रहा था मानो "यहां पंजाब का क्यूरेटर काम कर रहा हो।"लखनऊ के इकाना स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में एलएसजी को आठ विकेट से करारी हार झेलनी

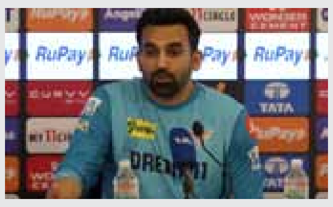

पड़ी। इस हार के बाद ज़हीर खान ने पिच को लेकर अपनी नाराजगी जताई। मैच के बाद जहीर खान ने कहा, "यह थोड़ा निराशाजनक है, क्योंकि यह हमारा घरेलू मैदान है। आईपीएल में आपने देखा होगा कि टीमें अपने घरेलू मैदान का फायदा उठाने की कोशिश करती हैं। लेकिन यहां क्यूरेटर ने इस बारे में नहीं सोचा। ऐसा लग रहा था जैसे यह पंजाब का क्यूरेटर था।" उन्होंने कहा, "यह मेरे लिए भी एक नई जिम्मेदारी है, लेकिन उम्मीद है कि यह पहला और आखिरी मैच होगा जहां ऐसा हुआ। हमारे प्रशंसक हमें यहां जीतते हुए देखना चाहते हैं। हमें अपनी घरेलू परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाने की जरूरत है।" मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब जहीर से पूछा गया कि क्या उन्होंने और कप्तान ऋषभ पंत ने पिच को गलत पढ़ा, तो उन्होंने जवाब दिया, "देखिए, हम तो वही करेंगे जो क्यूरेटर कहेगा, नहीं? इसे बहाने के रूप में नहीं ले रहे, लेकिन पिछले सीजन में भी हमने देखा कि यहां बल्लेबाजों को दिक्कत होती थी और गेंदबाज हावी रहते थे।

कपिल सहित ये क्रिकेटर कभी भी टेस्ट करियर में रन आउट नहीं हुए

मुम्बई। क्रिकेट जगत में अब तक 5 खिलाड़ी ऐसे हैं जो कभी रन आउट नहीं हुए। इस सूची में भारतीय टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव से लेकर पांच खिलाड़ी शामिल हैं। इस सूची में पाकिस्तान के मुदस्सर नजर, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान पॉल कॉलिंगवुड, ग्रीम हिक और पीटर बार्कर जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

कपिल देव : भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल अपने टेस्ट करियर में कभी रन आउट नहीं हुए। कपिल ने साल 1978 में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया और 1994 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेला। साल 1978 से 1994 तक कपिल ने 131 टेस्ट मैच में 8 शतक और 27 अर्धशतक से 5,248 रन बनाए। इसके अलावा उन्होंने 434 विकेट भी टेस्ट मैचों में लिए। कपिल ने 225 एकदिवसीय मैच खेले जिसमें उन्होंने

3,783 रन बनाए। इसमें एक शतक और 14 अर्धशतक शामिल हैं। इस प्रारुप में उन्होंने 253 विकेट भी लिए।

पॉल कॉलिंवगुड : इंग्लैंड के कप्तान पॉल कॉलिंवगुड ने इंग्लैंड की ओर से 68 टेस्ट मैचों में 4,259 रन बनाए है। वह अपने पूरे टेस्ट करियर में कभी भी रन आउट नहीं हुए। कॉलिंगवुड ने 197 एकदिवसीय मैचों में 5,092 रन बनाए। जिसमें 5 शतक और 26 अर्धशतक शामिल हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने 36 टी20 मैच भी खेले जिसमें उन्होंने कुल 538 रन बनाए। टी20 में कॉलिंगवुड ने 3 अर्धशतक लगाये।

मुदस्सर नजर : पाकिस्तान के मुदस्सर नजर भी कभी रन आउट नहीं हुए। मुदस्सर नजर ने 76 टेस्ट मैचों में 4114 रन बनाए, जिसमें 10 शतक शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने 122 एकदिवसीय मैचों में 2653 रन बनाए। वह पाक क्रिकेट टीम के कोच भी रहे।

पीटर बार्कर : इंग्लैंड के पीटर बार्कर एक बेहतरीन बल्लेबाज रहे हैं। वह अपने पूरे टेस्ट करियर में कभी रन आउट नहीं हुए। पीटर ने 1951 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया और इंग्लैंड के लिए कुल 66 टेस्ट मैचों में 4537 रन बनाए। उन्होंने 13 शतक और 22 अर्धशतक लगाये।

ग्रीम हिक : जिम्बाब्वे में जन्मे ग्रीम हिक ग्रीम ने 1991 से 2001 के बीच इंग्लैंड के लिए 65 टेस्ट और 120 एकदिवसीय खेले लेकिन कभी रन आउट नहीं हुए।

अश्वनी को नई गेंद से गेंदबाजी करते देखना चाहता हूं : रिकेलटन

मुंबई। मुंबई इंडियंस की ओर से खेल रहे दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर बल्लेबाज रियान रिकेलटन ने अपने पहले ही मैच में शानदार गेंदबाजी करने वाले अश्वनी कुमार की जमकर प्रशंसा की है। रिकेलटन ने कहा कि इस गेंदबाज की गेंद जितना अंदाजा लगाया जाता है उससे तेज आती है। साथ ही कहा कि मैं उसे नई गेंद से गेंदबाजी करते देखना चाहता हूं जिससे वह अपने अन्य कौशल दिखा सके। अश्वनी ने अपने पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ तीन ओवर में 24 रन पर चार विकेट लिए थे। उनकी शानदार गेंदबाजी से मुंबई ने इस मैच में जीत दर्ज की थी। रिकेल्टन ने कहा, 'उसकी गेंदबाजी लोग जितना समझते हैं, उससे कहीं ज्यादा तेज हैं। वह नई गेंद को स्विंग करने में सक्षम है। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, 'आप जितना सोचते हैं, उससे कहीं ज्यादा तेज हैं और उसकी गेंद थोड़ी नीचे भी रहती है। वह निश्चित रूप से इस टीम में बेहतरीन खिलाड़ी हैं और यहां की पिच उसके अनुकूल है। रिकेलटन ने कहा, 'मैं उसे नई गेंद से गेंदबाजी करते देखना चाहता हूं ताकि वह अपने अन्य कौशल दिखा सके। वह मुंबई

इंडियंस के लिए एक अच्छी खोज हैं और मैं वास्तव में यह देखने के लिए बेसब्र हूं कि वह कैसा प्रदर्शन करता है। वहीं केकेआर के रमनदीप सिंह ने भी अश्वनी को एक प्रतिभाशाली क्रिकेटर बताया है। पंजाब के रमनदीप और अश्विनी एक ही अकादमी में प्रशिक्षण लेते हैं। उन्होंने कहा, 'अश्वनी बहुत प्रतिभाशाली क्रिकेटर हैं, वह पंजाब से हैं। आईपीएल की पहचान नए क्रिकेटरों को प्रतिभा दिखाने का मौका देने का है और आप उनकी प्रतिभा देख सकते हैं।

अय्यर से प्रभावित हैं उमरजई

नई दिल्ली। आईपील खेल रहे अफगानिस्तान के ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई ने भारतीय टीम के बल्लेबाज और पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर की जमकर प्रशंसा की है। उमरजई ने कहा कि श्रेयस एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो शांत रहते हुए अपना काम करते हैं। इसी कारण मुझे उनके साथ बात करना पसंद है। उमरजई ने कहा कि युवाओं को श्रेयस से सलाह लेनी चाहिये। उन्होंने कहा कि मैंने श्रेयस से पूछा कि टी20 में तेज गेंदबाजों को कैसे खेला जाए। उन्होंने कहा कि हमें उनकी रफ्तार का इस्तेमाल करना चाहिए। यहां गेंद तेजी से आती है जिससे आप रन बना सकते हैं। ऐसे में जबरन शॉट खेलने का प्रयास न करें। उमरजई ने श्रेयस के अनुभव की भी सराहना की और कहा कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत क्रिकेट खेला है। उन्हें तेज गेंदबाजी को खेलने की

अच्छी समझ है। चैंपियंस ट्रॉफी में इंग्लैंड के खिलाफ़ उमरजई ने 31 गेंदों में 41 रन बनाए और गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट भी लिए थे। अपने को बल्लेबाजी ऑलराउंडर मानने वाले उमरजई का मानना है कि जोस बटलर जैसे बल्लेबाज को आउट करना बड़ी बात थी। उमरजई ने इस पर कहा कि यह वनडे में अब तक का मेरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। वनडे में आपको जमने के लिए अधिक समय मिलता है और आप लंबे समय तक खेल सकते हैं और मैदान पर अतिरिक्त समय ले सकते हैं।

व्यापार

जीईएम ने वित्त वर्ष 2024-25 में बनाया रिकॉर्ड, 10 लाख से ज्यादा लोगों को मिला रोजगार

नई दिल्ली। डिजिटल खरीद मंच गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) ने वित्त वर्ष 2024-25 में सरकारी संगठनों के लिए 10 लाख से अधिक जनशक्ति संसाधनों की भर्ती करके एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में बताया कि जीईएम की यह उपलब्धि पारदर्शिता, अनुपालन और दक्षता के माध्यम से सार्वजनिक खरीद को बदलने के लिए उसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। जीईएम की इस उपलब्धि पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने 'एक्स' पोस्ट पर एक बयान में जीईएम प्लेटफॉर्म की सफलता और इसके माध्यम से रोजगार के अवसरों पर अपनी बात साझा की। उन्होंने इस प्लेटफार्म के जरिए 10 लाख से अधिक कर्मचारियों की भर्ती के आंकड़े को ऐतिहासिक बताया। पीयूष गोयल ने एक्स पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जीईएम विशाल रोजगार सृजन में सहायक बन रहा है और श्रमिकों की भर्ती के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। यह प्लेटफॉर्म वित्त वर्ष 2024-25 के तहत 10 लाख से अधिक कर्मचारियों की भर्ती का महत्वपूर्ण मील का पत्थर पार कर चुका

है, जो इसकी व्यापक स्वीकृति और सरकारी संगठनों में प्रभाव को दर्शाता है। इस उपलब्धि पर जीईएम के सीईओ अजय भादू ने कहा, "जीईएम ने डिजिटल क्षमताओं का दोहन किया है और प्रशासन के विभिन्न स्तरों पर सरकारी खरीदारों द्वारा आवश्यक सभी संभावित सेवाओं की खरीद के लिए वन-स्टॉप-शॉप के रूप में उभरा है। हमारी मैनपावर आउटसोर्सिंग सेवा न केवल सरकारी संगठनों के लिए भर्ती प्रक्रिया को सरल बनाती है, बल्कि हमारे व्यापक सेवा स्तर समझौते के माध्यम से सख्त श्रम अनुपालन भी सुनिश्चित करती है। जीईएम की मैनपावर आउटसोर्सिंग सरकारी खरीदारों को आउटसोर्स संसाधनों को काम पर रखने के लिए एक सहज समाधान प्रदान करती है। इस प्लेटफॉर्म पर 33 हजार से ज्यादा सेवा प्रदाता खरीदारों को न्यूनतम वेतन और निश्चित पारिश्रमिक सहित विभिन्न मानदंडों के आधार पर मैनपावर को शामिल करने में सक्षम बनाते हैं। इस प्लेटफॉर्म पर सुरक्षाकर्मी, बागवानी कर्मचारी, मल्टी-टास्किंग स्टाफ, डेटा एंट्री ऑपरेटर और सुविधा प्रबंधन पेशेवरों जैसी विभिन्न कुशल और अकुशल भूमिकाओं को पोर्टल के माध्यम से काम पर रखा जा सकता है। उल्लेखनीय है कि 2016 में स्थापित जीईएम सरकारी खरीदारों को लागत प्रभावी दरों पर सार्वजनिक खरीद करने के लिए एक एंड-टू-एंड डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करता है। वित्त वर्ष 2019-20 में इस प्लेटफॉर्म ने एक अलग सेगमेंट के रूप में सेवाओं को शामिल करने के लिए विस्तार किया। इस प्लेटफॉर्म ने शुरुआत में मैनपावर हायरिंग, कैब हायरिंग, सुरक्षा सेवाएं और सफाई और स्वच्छता सेवाएं जैसी बुनियादी सेवाएँ प्रदान कीं। पिछले पांच वर्षों में जीईएम ने अपने पोर्टफोलियो का विस्तार 330 से अधिक सेवाओं तक किया है, जिसमें ड्रोन सेवाएं, एआर/वीआर सेवाएं, क्लाउड सेवाएं और साइबर सुरक्षा सेवाएं जैसी जटिल पेशकश शामिल हैं।

आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक 7-9 अप्रैल को, रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती संभव

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (अरबीआई) ने वित्त वर्ष 2025-26 की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठकों का शेड्यूल जारी कर दिया है। चालू वित्त वर्ष में एमपीसी की कुल 6 बैठकें होंगी, जिनमें से पहली बैठक 7-9 अप्रैल को होगी। रिजर्व बैंक इस बार भी नीतिगत दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में वित्त वर्ष 2025-26 की पहली मौद्रिक नीति समिति की दो दिवसीय समीक्षा बैठक 7 अप्रैल को शुरू होकर 9 अप्रैल, 2025 तक चलेगी। आरबीआई गवर्नर 9 अप्रैल को एमपीसी के निर्णय की जानकारी देंगे। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 की आखिरी एमपीसी बैठक मे रेपो रेट को 0.25 फीसदी

घटाकर 6.5 फीसदी से 6.25 फीसदी कर दिया था। आर्थिक मामलों के जानकारों का कहना है कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति चालू वित्त वर्ष की 7-9 अप्रैल की होने वाली पहली बैठक में रेपो रेट में 25 आधार अंकों यानी 0.25 फीसदी तक की कटौती कर सकता है। इसके अलावा कुछ रेटिंग एजेंसियों ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि एमपीसी अप्रैल में होने वाली बैठक में आरबीआई रेपो रेट में 25 आधार अंकों की और कटौती कर सकता है।

मौद्रिक नीति समिति क्या है- आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति में 6 सदस्य होते हैं। इनमें से 3 सदस्य रिजर्व बैंक के होते हैं, जबकि बाकी 3 सदस्य केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। छह सदस्यीय इस समिति को मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए मौद्रिक पॉलिसी बनाने के अलावा प्रमुख नीतिगत ब्याज दरें निर्धारित करने का काम सौंपा गया है। ये बैठक आमतौर पर प्रत्येक दो महीने में होती है।

क्या होता है रेपो रेट- रेपो रेट वह नीतिगत ब्याज दर होता है जिस पर भारत के बैंक, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) से पैसे उधार लेते हैं। आरबीआई जब इस दर को कम करता है, तो बैंक भी कम ब्याज दरों पर ग्राहकों को लोन दे सकते हैं। इसका मतलब है कि लोन लेने वाले लोगों को कम ब्याज देना होगा। अगर रेपो रेट कम होती है तो होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन पर ब्याज दरें कम हो जाएंगी। इसके साथ ही कारोबारियों के लिए लोन लेना भी आसान हो जाएगा।

वर्तमान में एमपीसी के सदस्य- रिजर्व बैंक के वर्तमान में छह सदस्य हैं। इनमें आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा, केंद्रीय बैंक के कार्यकारी निदेशक डॉ. राजीव रंजन, रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर राव, डॉ. नागेश कुमार, डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव, औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली के सौगता भट्टाचार्य, अर्थशास्त्री प्रोफेसर राम सिंह, डायरेक्टर, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय हैं। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एमपीसी की बैठकों का कार्यक्रम जारी कर दिया है।

स्टॉक मार्केट में श्री अहिंसा नेचुरल्स की जोरदार एंट्री, प्रीमियम के साथ हुई लिस्टिंग के बाद अपर सर्किट पर पहुंचे शेयर

नई दिल्ली । कैफीन एनहाइड्रस, ग्रीन कॉफी बीन एक्सट्रैक्ट्स और क्रूड कैफीन बनाने वाली कंपनी श्री अहिंसा नेचुरल्स ने शानदार लिस्टिंग के कारण आज अपने आईपीओ निवेशकों को गदगद कर दिया। आज कंपनी के शेयर स्टॉक मार्केट में प्रीमियम पर लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी ही देर में अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 119 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 17.65 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 140 रुपये के भाव पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर कुछ ही देर में 147 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले कारोबारी दिन ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 23.53

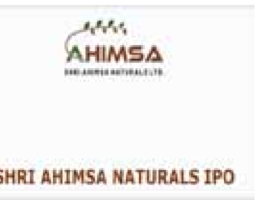

प्रतिशत का फायदा हो गया। श्री अहिंसा नेचुरल्स का 73.81 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 27 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 62.71 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 21.23 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 182.82 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 35.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 50.02 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 19,99,200 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे गए हैं।आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी जयपुर के सवर्डा में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 11.02 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़ कर 38.21 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

केंद्र सरकार ने पूनम गुप्ता को रिजर्व बैंक का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्रतिष्ठित शोध संस्थान नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लॉयड इकनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) की महानिदेशक पूनम गुप्ता को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है। उनका कार्यकाल तीन साल के लिए होगा। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि कैबिनेट (एसीसी) की नियुक्ति समिति ने तीन साल के कार्यकाल के लिए आरबीआई के डिप्टी गवर्नर के तौर पर पूनम गुप्ता की नियुक्ति को अपनी मंजूरी दे दी है। माइकल देबव्रत पात्रा के जनवरी में अपना पद छोड़ने के बाद आरबीआई में डिप्टी गवर्नर का यह पद खाली हो गया था। पूनम गुप्ता वर्तमान में देश की सबसे बड़ी आर्थिक नीति थिंक टैंक, नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड

इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) के महानिदेशक हैं। वह प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य भी हैं। इसके अलावा 16वें वित्त आयोग की सलाहकार परिषद के संयोजक के रूप में कार्यरत हैं। पूनम गुप्ता के पास अमेरिका के मैरीलैंड विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नात्कोत्तर की डिग्री और पीएचडी तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स से अर्थशास्त्र में मास्टर डिग्री है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र पर पीएचडी के लिए 1998 में एक्जिम बैंक पुरस्कार जीता था।

व्हाटसएप ने फरवरी में किए 97 लाख अकाउंट बैन, यूजर्स को दिए कई सुझाव

- **कंपनी ने कहा- वह भारत में अपने करोड़ों यूजर्स की सुरक्षा को लेकर गंभीर**

नई दिल्ली। मेटा के स्वामित्व वाली मशहूर मैसेजिंग ऐप व्हाटसएप ने कहा है कि फरवरी 2025 में भारत में 97 लाख से ज्यादा अकाउंट्स को बैन कर दिया गया है। यह कार्रवाई व्हाटसएप के नियमों और शर्तों का उल्लंघन करने के चलते की गई है। खास बात यह है कि इनमें से 14 लाख से ज्यादा अकाउंट्स को यूजर्स की शिकायत से पहले ही बैन कर दिया गया था। यह जानकारी व्हाटसएप ने अपनी मासिक सुरक्षा रिपोर्ट में दी है, जो हर महीने जारी की जाती है। इस रिपोर्ट में यूजर्स को सुरक्षित रखने और प्लेटफॉर्म का सही इस्तेमाल करने के लिए कई

सुझाव दिए गए हैं। व्हाटसएप ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और नई तकनीकों का इस्तेमाल किया है। साथ ही डेटा साइंटिस्ट्स और विशेषज्ञों की टीम भी इस काम में जुटी है। व्हाटसएप ने यूजर्स से अपील की है कि वे प्लेटफॉर्म का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करें। इसके लिए कुछ आसान टिप्स भी शेयर किए हैं, जिसमें दूसरों की निजता का सम्मान करना, बार-बार मैसेज न भेजना और ब्रॉडकास्ट लिस्ट का सही तरीके से इस्तेमाल करना शामिल है। साथ ही कंपनी का कहना है कि वह भविष्य में भी ऐसी सख्त कार्रवाइयां जारी रखेगी ताकि प्लेटफॉर्म पर गलत व्यवहार को रोका जा सके। कंपनी ने कहा कि वह प्रयास के साथ भारत में अपने करोड़ों यूजर्स की सुरक्षा को लेकर गंभीर है। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि व्हाटसएप यूजर्स को सुरक्षित अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया, आईटी नियम 2021 के तहत हमारी नई रिपोर्ट में यूजर्स से मिली शिकायतों, हमारे द्वारा की गई कार्रवाइयों और गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दी गई है। इसमें वे अकाउंट्स भी शामिल हैं, जिन्हें शिकायत से पहले ही बैन कर दिया गया।

37 साल पहले आया

माधुरी दीक्षित

का वो सुपरहिट गाना, जिसमें अनिल कुमार ने जबरदस्ती डलवाया था अपना वर्जन

पहले के समय के गानों में कुछ तो बात थी कि लोग उन गानों को सुनकर आज भी उस पर झूम उठते हैं. उन्हीं पॉपुलर गानों में से अनिल कपूर और माधुरी दीक्षित का गाना एक, दो, तीन भी था. ये फेमस गाना साल 1988 में आई फिल्म 'तेजाब' का था, जिसे जावेद अख्तर ने लिखा था. हालांकि, एक शो में एक्टर ने इस गाने को लेकर कमाल का खुलासा किया था. एक्टर ने बताया था कि पहले ये गाना केवल माधुरी के ही लिए बनाया गया था.

अनिल कपूर और माधुरी दीक्षित स्टारर 'तेजाब' ने उस वक्त पर बॉक्स ऑफिस पर काफी कमाल किया था. इसके साथ ही साथ फिल्म के सभी गाने भी काफी फेमस हो गए थे. इन्हीं में से एक गाना एक, दो, तीन भी है, जिसे लोग आज भी सुनना काफी पसंद करते हैं. इस गाने पर माधुरी के लुक्स और उनके डांस को लेकर काफी तारीफ की गई थी. इस फेमस गाने में अनिल कपूर भी शामिल थे, जो कि बाद में बदलाव के बाद संभव हो पाया.

फीमेल वर्जन का था गाना

दरअसल, अनिल कपूर काफी वक्त पहले द कपिल शर्मा शो का हिस्सा बने थे. इस दौरान उन्होंने अपनी पुरानी फिल्मों का जिक्र शुरू कर दिया था. अनिल ने 'तेजाब' के बारे में बात करते हुए बताया कि जब उन्होंने एक, दो, तीन गाना सुना, तो उसी वक्त उन्हें पता लग गया था कि ये गाना सुपरहिट साबित होगा. गाना सुनने के बाद एक्टर ने मेकर्स से मांग की कि वो भी इस गाने का हिस्सा बनेंगे. लेकिन मेकर्स ने उनसे बताया कि ये गाना फीमेल के लिए लिखा गया है.

जबरदस्ती स्क्रिप्ट में डलवाया

बाद में एक्टर ने खुद जावेद अख्तर से बाद की और उनसे इस गाने में अपना वर्जन भी लिखने की मांग की. हालांकि, पहले तो उन्होंने इससे इनकार किया, लेकिन बाद में वो इस बात के लिए मान गए. शो में एक्टर ने कहा कि ये गाना स्क्रिप्ट में ही नहीं था, लेकिन मैंने जबरदस्ती उसे डाला था. खैर, आखिर में तो फिल्म और गाने दोनों ही काफी हिट साबित हुए और लोगों से तारीफें भी मिली थी.

5-5 सुपरस्टार्स, करोड़ों का बजट, 18 साल पहले आई वो फिल्म, जिसे FLOP होने से सलमान-गोविंदा भी नहीं बचा पाए

बॉलीवुड में हर साल ढेरों फिल्में रिलीज होती हैं. लेकिन वो फिल्म खास बन जाती है जिसमें कई बड़े सुपरस्टार्स होते हैं. लेकिन हमेशा ऐसा नहीं हो पाता है. क्योंकि बॉलीवुड की कुछ मल्टीस्टारर फिल्में खूब पसंद की गई हैं तो कुछ मल्टीस्टारर फिल्में टिकट खिड़की पर औंधे मुंह भी गिर गई थीं. आज हम आपसे एक ऐसी ही फिल्म को लेकर बात करेंगे.इस फिल्म में एक दो नहीं बल्कि पांच-पांच बड़े सुपरस्टार्स थे, लेकिन फिर भी फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर बुरा हाल हुआ था. इसमें सलमान खान और गोविंदा जैसे बड़े स्टार भी थे. लेकिन उनका स्टारडम भी धरा का धरा रह गया था. ये फिल्म 35 करोड़ रुपये के अच्छे खासे बजट में तैयार की गई थी. लेकिन इसकी कमाई बजट से भी बहुत कम हो पाई थी. ये अपना बजट तक निकालने में नाकाम रही.

'सलाम ए इश्क' में थे 5 बड़े स्टार

हम आपसे बात कर रहे हैं फिल्म 'सलाम ए इश्क' की जो कि 18 साल पहले 25 जनवरी 2007 को रिलीज हुई थी. इसे डायरेक्ट किया था निखिल आडवाणी ने. बतौर डायरेक्टर ये उनकी दूसरी ही फिल्म थी. इससे पहले उन्होंने डायरेक्टर के रूप में पहली फिल्म 'कल हो ना हो' बनाई थी जो सफल रही थी. लेकिन सलाम-ए-इश्क को दर्शकों ने नकार दिया. सलाम ए इश्क में सलमान खान और गोविंदा के अलावा विद्या बालन, अनिल कपूर, जूही चावला, जॉन अब्राहम, आयशा टाकिया, शैनन एसरा, सोहेल खान और अक्षय खन्ना जैसे स्टार भी थे. ये फिल्म ब्रिटिश फिल्म 'लव एक्चुअली' का रीमेक थी.

35 करोड़ में बनी, बजट नहीं नहीं निकला

गोविंदा ने राजू, सलमान ने राहुल, प्रियंक ने कामिनी, अनिल कपूर ने विनय मल्होत्रा, जूही ने सीमा मल्होत्रा और विद्या ने तहजीब नाम का किरदार निभाया था. मेकर्स ने फिल्म को बनाने में 35 करोड़ रुपये की भारी भरकम रकम खर्च की थी. लेकिन बदले में उन्हें नुकसान झेलना पड़ा था. ये मल्टीस्टारर फिल्म दर्शकों को अपनी तरफ खींचने में सफल नहीं हो पाई. और दर्शकों के साथ ही मेकर्स के हाथ भी सिर्फ निराशा ही लगी. इसने बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ 22.73 करोड़ रुपये की कमाई की थी और ये हिंदी सिनेमा की डिजास्टर फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई.

'तुझमें रब दिखता है...' अनुष्का शर्मा को छोड़ जब विराट कोहली ने इस लड़की के लिए गाया गाना, घुटनों पर बैठे

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली. क्रिकेट-सिनेमा की ये जोड़ी काफी हिट है. एक क्रिकेट की दुनिया का 'किंग' है तो एक ने बड़े पर्दे पर राज किया है. विराट और अनुष्का को फैंस पावर कपल के रूप में देखते हैं. दोनों के दिल में एक दूसरे के प्रति काफी प्यार है और दोनों अक्सर ही फैंस को कपल गोल्स देते हैं.कई मौकों पर अनुष्का और विराट ने एक दूसरे के प्रति अपने प्यार को जाहिर किया है. लेकिन एक बार विराट, अनुष्का नहीं, बल्कि एक लड़की के लिए घुटनों पर बैठ गए थे. इतना ही नहीं उन्होंने उस लड़की के लिए बॉलीवुड का पॉपुलर सॉन्ग 'तुझमें रब दिखता है' भी गाया था. इसके अलावा वो लड़की विराट का हाथ पकड़कर डांस करती हुई भी नजर आई थी. अब सोशल मीडिया पर विराट कोहली का वो पुराना वीडियो काफी वायरल हो रहा है.

विराट ने अपनी फैन के लिए गाया गाना

सोशल मीडिया पर विराट कोहली का एक वीडियो सुर्खियों में है. विराट जब कपिल शर्मा के शो 'कॉमेडी नाइट्स' में गए थे तब उन्होंने अपनी एक फैन के लिए गाना गाया था. करीब एक दशक पहले विराट ने कपिल के शो में शिरकत की थी. तब एक फैन ने उनसे कहा था, 卐मैंने कहीं पढ़ा था आपने घुटनों के बल बैठकर किसी स्पेशल पर्सन के लिए 'तुझमें रब दिखता' है गाना गाया था.卐 फिर लड़की ने कहा था कि वो सचिन तेंदुलकर थे. इस पर विराट ने कहा था बात तो सही है. फिर लड़की ने विराट से रिक्वेस्ट की थी कि क्या आप मेरे लिए भी वो गाना गाएंगे ? इसके बाद विराट ने अपनी फैन के लिए भी सिंगिंग की थी.

लड़की के लिए घुटनों पर बैठे कोहली

विराट से अपने लिए सिंगिंग की रिक्वेस्ट करने वाली लड़की बाद में क्रिकेटर के पास आ गई थीं. इसके बाद कोहली ने महिला फैन से हाथ मिलाया. और फिर उन्होंने उसके लिए 'तुझमें रब दिखता है' गाना गाया. इस दौरान विराट अपनी फैन का हाथ पकड़कर उसे डांस भी कराते रहे. आखिरी में विराट लड़की के सामने घुटने पर भी बैठ गए थे. फिर उन्होंने गाना खत्म करने के बाद फैन को गले लगा लिया था. विराट ने फिर कपिल शर्मा को बताया था कि 2011 का वर्ल्ड कप जीतने के बाद उन्होंने हरभजन सिंह और युवराज सिंह के साथ घुटने के बल बैठकर सचिन तेंदुलकर के लिए ये गाना गाया था. सोशल मीडिया पर विराट का ये पुराना वीडियो काफी पसंद किया जा रहा है.

रवीना टंडन

की फिल्म में जब शाहरुख खान को अजय देवगन ने किया रिप्लेस, 6 गुना ज्यादा हुई कमाई

बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी ने 90ह्य के दशक में कई सारी बड़ी फिल्मों में काम किया था. वे अपने अब तक के करियर में कई सारी मल्टीस्टारर फिल्मों का हिस्सा रहे हैं. साल 1994 में उनकी पिल्म दिलवाले रिलीज हुई थी. इस फिल्म का बजट 2 करोड़ रुपये के करीब था और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी. इसमें रवीना और सुनील के अलावा अजय देवगन भी शामिल थे. लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस फिल्म के लिए शाहरुख खान पहली पसंद थे. मगर बात बन ना सकी और फिर उनकी जगह फिल्म में अजय देवगन की एंट्री हुई थी. और उनकी एंट्री लगता है फिल्म के लिए लकी साबित भी हुई.सिद्धार्थ कनन से बातचीत के दौरान दिलवाले के राइटर करण राजदान ने कहा- जो रोल दिलवाले फिल्म में मैंने अजय देवगन को ऑफर किया था वो पहले शाहरुख खान को दिया गया था. उनके लिए ही ये रोल लिखा गया था. मैं उन्हें ये कहानी सुनाने के लिए उनके घर गया था और उन्हें फिल्म की स्क्रिप्ट काफी पसंद भी आई थी. लेकिन उन्होंने मुझे सुझाव दिया था कि इस फिल्म के अंत में लड़की को दूसरे लड़के के साथ भाग जाना चाहिए. लेकिन मैंने उनका सुझाव ठुकरा दिया था. इसके बाद उन्होंने मेरे साथ काम करने से मना कर दिया था.इसके बाद राजदान ने ये रोल अजय देवगन को ऑफर किया और उन्होंने फौरन ही इस रोल को प्ले करने के लिए अपनी हामी भर दी. इसके बाद तो इतिहास गवाह है. इस फिल्म का बजट 2 करोड़ रुपये का था और ये फिल्म सिनेमाघरों में 12 करोड़ की कमाई करने में सफल रही थी.

Country needs freedom from Waqf

The biggest change that is being brought in with the Waqf (Amendment) Bill, 2024, is the abolition of Section 40, which allowed the conversion of any land into Waqf property by the boards. Minority Affairs Minister Kiren Rijiju called it the "most draconian" provision of the Waqf Act during a debate in Parliament on Wednesday.

"The most draconian provision in the Act was Section 40, under which the Waqf Board could declare any land Waqf property. But we have removed that provision," Rijiju said. Rijiju was defending the Waqf Amendment Bill after tabling it in the Lok Sabha on Wednesday said the Bill was retrospective and doesn't "snatch" any land from the Muslim community, as it was being touted by some Opposition leaders. He said the Waqf Amendment Bill would be renamed UMEED Bill, Unified Waqf Management Empowerment, Efficiency and Development Bill. Rijiju said that Section 40 of the current Waqf Act was being misused by a few for their selfish gains. "That is why Waqf property increased by lakhs," he added.

According to government data, Waqf boards in India control 8.72 lakh properties, amounting to over 9.4 lakh acres. There are 30 Waqf Boards across India, according to the official website of the Waqf Asset Management System of India. Under Section 40 of the Waqf Act, the Waqf boards were empowered to decide if a property was Waqf property. The board's decision was final, unless revoked or modified by the Waqf Tribunal. Under the Act, decisions of the Tribunal are final and appeals against its decisions in courts are prohibited, according to a statement by the Ministry of Minority Affairs. The Waqf Amendment Bill omits the provisions deeming finality to the Waqf Tribunal's decisions and its orders can be appealed in a high court within 90 days. There are over 40,000 litigations over Waqf properties, according to Rijiju. "If unhappy with Waqf Board and Tribunal decisions, one can now approach the courts," he added, highlighting that the process had been made simpler. The Bill proposes that the power to decide if any property is Waqf property should be with the District Collector. BJP leaders say that the "misuse" of Section 40 has resulted in widespread conversion of private properties into Waqf properties, and triggered a communal divide in the country."The Catholic Christian community wants the Waqf Bill to be passed at the earliest," Rijiju said. He presented the example of Cherai, a fishing village in Kerala's Kochi, where over 600 Christian families and the church approached the Joint Parliamentary Committee on the Waqf Bill over their land being claimed as Waqf land. He also spoke about Haryana's Jathlana village where gurdwara land was claimed as Waqf property. The Waqf Amendment Bill, now renamed the UMEED Bill, will also do away with the provision of 'Waqf by user', by which properties could be deemed Waqf property based solely on prolonged use for religious purposes. Only a person practising Islam for at least five years can declare waqf, and the property has to be self-owned, according to the UMEED Bill. Trying to explain the arbitrariness of the Waqf Act in converting properties into Waqf property, Rijiju said the Parliament building, Delhi airport premises and the CGO complex would have been declared Waqf properties, and this is what the new Bill seeks to prevent. With Section 40 set to be gone, no land can now be unilaterally declared Waqf land

Key Points

- ➩State nominates Waqf Board members; includes non-Muslims, women, diverse Muslim groups.
- ➩Only Muslims practicing for 5+ years, owning property, can declare waqf.
- ➩Mandatory registration of waqf properties on digital portal within 6 months.
- ➩Senior officer replaces District Collector in property disputes; government property claims restricted.
- ➩*"Waqf by user"* applies only prospectively.
- ➩Waqf Tribunals: judicial + administrative officers, no Muslim law expert needed.
- ➩Central Government can order CAG audits of waqf properties.
- ➩Removes Waqf Boards' power to independently classify properties *(Section 40)*.
- ➩Applies Limitation Act, 1963 to waqf disputes (Section 107 deleted).
- ➩Separate Boards for sects like Bohras, Aghakhanis.
- ➩*Focus:* transparency, efficiency, reduced mismanagement.

ED uncovers George Soros-backed funding routes to Indian NGOs

Agency: The Enforcement Directorate has uncovered financial transactions linking billionaire philanthropist George Soros's Soros Economic Development Fund (SEDF) to the NGO sector in India, raising concerns over possible violations of the Foreign Contribution (Regulation) Act and Foreign Direct Investment (FDI) norms. Investigators have found that SEDF, the social impact investment arm of the Open Society Institute (OSI), provided funds to three Indian companies—Rootbridge Services Pvt Ltd (RSPL), Rootbridge Academy Pvt Ltd (RAPL), and ASAR Social Impact Advisors Pvt Ltd (ASAR)—under the pretext of foreign direct investment (FDI) or consultancy/service fees. These companies received approximately Rs 25 crore between 2020-2021 and 2023-2024, despite OSI being under the scrutiny of the Home Ministry since May 2016 for "undesirable activities." Since then, OSI has required prior government approval to send funds to FCRA-registered organisations in India. According to the ED's findings, RSPL alone received Rs 18.64 crore from SEDF through Compulsorily Convertible Preference Shares (CCPS), valued at an inflated Rs 2.5-2.6 lakh per share based on the Discounted Cash Flow method. Authorities suspect this was a "colourable arrangement" to bypass FCRA restrictions, as SEDF is barred from directly donating to NGOs in India without Home Ministry approval. Similarly, RAPL, a company incorporated in 2019 to provide fundraising services for non-profits, received Rs 2.70 crore as "commission agent services" from SEDF. However, the ED noted that RAPL had not actually provided any services in return, suggesting it acted as a conduit to circumvent FCRA regulations. ASAR, established in 2016 and engaged in public engagement, research, and capacity building for NGOs, received Rs 2.91 crore from SEDF as service fees. The ED has flagged this as another attempt to funnel disguised donations to Indian NGOs under the guise of payments for service exports. The ED probe traced OSI-linked investments to Aspada Investment Company (AIC), a Mauritius-based entity that allegedly funnelled funds into India. The probe found that Aspada Investment Advisors Pvt Ltd (AIAPL), incorporated in Bengaluru in 2013, managed and advised SEDF's investments in India, which amounted to over Rs 300 crore across 12 companies. Interestingly, the ED has noted that Lightrock Investment Advisors Private Limited (formerly Aspada Investment Advisors Private Limited), the official investment advisory firm overseeing SEDF's Indian portfolio, was reportedly not informed about these transactions, raising further suspicions. George Soros has been a controversial figure worldwide, accused of using his wealth and philanthropy to influence political landscapes and regime changes through his Open Society Foundations. His foundation has been criticised by multiple governments for allegedly funding activities that disrupt national interests. In India, Soros's name has been linked to political and financial controversies, most notably in relation to the Adani Group. In 2023, the Organised Crime and Corruption Reporting Project (OCCRP) alleged that the Adani Group used opaque Mauritius-based funds for investments in its own companies. Soros's Open Society Foundations is known to be a donor to OCCRP, leading to accusations that he had a hand in orchestrating these allegations. BJP criticised Soros, accusing him of attempting to undermine India's democratic framework for personal and political gains.

Yashasvi Jaiswal leaves Mumbai, to play from another state

Agency: India opener Yashasvi Jaiswal has decided to make a shock switch to Goa from Mumbai due to personal reasons, leaving a domestic powerhouse that laid the foundation for the left-hander's blossoming international career. Jaiswal wrote to the Mumbai Cricket Association on Tuesday, expressing his wish to leave Mumbai for Goa, and the governing body has accepted his request. Jaiswal's shock move will see the left-handed 23-year-old play for Goa from the 2025-26 season. "Yes, it is surprising. He must have thought of something to make such a move. He has requested us to relieve him and we have accepted his request," an MCA official told PTI on Wednesday. Jaiswal last played for Mumbai against Jammu and Kashmir in their Ranji Trophy Group A league round match from January 23-25 following the strict implementation of the BCCI directives that all India players should play domestic cricket if not on national duty. In that game, Jaiswal had made his sole appearance in the Ranji Trophy 2024-25 season scoring 4 and 26 as Mumbai lost by five wickets to Jammu and Kashmir for the second time in the tournament's history. "He wants to play for us and we welcome him. He will be playing for us from the next season," Goa Cricket Association's secretary Shamba Desai told PTI. Jaiswal could well captain Goa when he is not on national duty. "Yes, that can happen," he replied when asked if Jaiswal could be a captaincy candidate for the state. "He plays for the Indian cricket team so he can be the captain and we will work in the direction to appoint him. Regarding his availability (for the domestic competitions), we are yet to speak," he added. Jaiswal is the third cricketer from Mumbai in recent times to have moved to Goa after Arjun Tendulkar and Siddhesh Lad. Lad and Tendulkar had moved to Goa ahead of the 2022-23 season. The right-handed batter Lad served his cooling-off period before making a successful return to Mumbai last season in the Ranji Trophy. Jaiswal has been India's first-choice opener since making his Test debut against the West Indies in July 2023 and since then he has played 19 games, cementing himself with stellar performances on the biggest stage. He averages more than 52 in Tests including four hundreds and 10 fifties.

Trump candidates win 2 by-polls but Dems clawing back

Agency:Republican candidates won two Congressional by-elections in Florida but a Trump and Elon Musk-backed judge for the Wisconsin supreme court was defeated by a liberal rival in polls that appeared to show Democrats clawing their way back into reckoning after the 2024 drubbing. In elections that offered a snapshot of voter sentiment just ten weeks into Trump's second term, Republican candidates Randy Fine and Jimmy Patronis retained seats vacated by Mike Waltz and Matt Gaetz, who became Trump's NSA and Attorney General respectively. But their margin of victory, although comfortable, was much narrower than Trump's 30 percent win in the same district in November 2024 presidential election, suggesting some erosion in support for the President even in ruby red strongholds. Still, the wins gave Republicans some breathing room in the House of Representatives where their majority now ticks up to 220-213. The real setback though was in Wisconsin, where Trump surrogate Elon Musk put both his money and his mouth into what was considered the most expensive judicial election in history (almost $ 100 million spent) but found Liberal Judge Susan Crawford defeating conservative Judge Brad Schimel, preserving the court's 4-3 liberal majority, after a left-leaning judge retired. Wisconsin is one of 21 states that elects judges to the state supreme court in a country where judicial selection methods vary widely by state. Roughly half the states elect at least some of their judges, while they are appointed by the other half, usually by the governor. While some states allow judicial contestants to have party affiliation, Wisconsin falls into the nonpartisan election category, but voters discern candidates' ideological bent based on their record and campaign pledges. Elections to the judiciary is built around the idea that judges should be accountable to people and not to politicians who appoint them, and that voters should have a say in shaping the courts, just like they do with other branches of government. Musk jumped into the Wisconsin fray, literally, devoting personal time, energy, and money($ 20 million) to flip the existing 4-3 liberal majority in the state because the court's rulings will impact voting regulations, redistricting (delimitation) and other issues that are key to Republican power. But Wisconsin, which gave Trump a narrow 1 per cent win in 2024, shifted left by 10 percent to defeat conservative Schimel in a rebuff to what many critics saw as Musk's effort to buy the election

Microsoft CEO Satya Nadella to employees in Town Hall

Agency: Microsoft CEO Satya Nadella has lauded China-based AI company DeepSeek as a new benchmark for the Redmond giant's artificial intelligence efforts, also accrediting the Chinese company efforts of focused innovation during a recent employee town hall meeting. According to The Verge, Nadella was particularly impressed by DeepSeek's ability to optimize AI computing architecture and achieve significant results with a small team. "What's most impressive about DeepSeek is that it's a great reminder of what 200 people can do when they come together with one thought and one play," Nadella told Microsoft employees. The Microsoft CEO highlighted DeepSeek's remarkable achievement of not just developing a research project, but transforming it into a top-performing App Store product. This success has set a new standard for Microsoft's internal AI development strategy, especially as the company continues to invest heavily in AI technologies. The DeepSeek model's efficiency in systems optimization, particularly working below Nvidia's CUDA layer, caught Nadella's attention as a prime example of innovative technological development. Jay Parikh, head of Microsoft's new CoreAI engineering group, echoed Nadella's sentiments, noting that DeepSeek serves as a reminder of the importance of internal collaboration and rapid innovation in the competitive AI landscape.

Students pledge *drug-free future* as Kejriwal, Mann launch drive in Punjab

Agency: Scores of students from various schools, colleges, NCC cadets from various units belonging to various schools and colleges on Wednesday took part in a rally against drugs, "Yudh Nasheyan Virudh". The rally was flagged off by Punjab Chief Minister Bhagwant Mann and national AAP convenor Arvind Kejriwal. Addressing the children assembled there, before flagging off the rally, Arvind Kejriwal said, "I feel blessed to be around the youngsters and tomorrow this youth is going to lead the state. Someone from this crowd will become Chief Minister or a leading industrialist, but if drugs are not erased from the state, then how will you lead the state? It is very unfortunate that the prior governments have made drugs enter every house of the state for a few bucks, but AAP will not tolerate this." Striking a chord with the kids, he said that they are like his own kids, and he too has two kids. "Parents have seen huge dreams about them. They want you to become a pilot, doctor, engineer, and kids themselves must have seen dreams about their future, but the day you fall prey to drugs, everything is finished. You kids are just my own children, and I am of the age of your father, and I am requesting you never to fall into the trap of drugs, as your life will be finished," he said. Adding further, he said, "Secondly, in case you see anyone around you who is into drugs, bring that person to rehabilitation, and all the facilities are provided by the government."

"Now, the government and police alone will not be able to take the drive further and need help from every citizen including children. Today, kids will take three pledges: first, they will never get hooked to drugs; second, if anyone around me is on drugs, I will help him/her to get out of it; and thirdly, if they come to know about any drug peddler, they will inform on the Helpline number," he said. To further engage the youth and promote healthy lifestyles, Kejriwal announced, "We are setting up playgrounds across Punjab, and every village will soon have a playground where the youth can engage in sports and stay away from drugs." "We are committed to making Punjab, Rangla Punjab and need co-operation from the public," said Kejriwal. Before flagging off the rally, addressing the students, Mann said that the anti-drug helpline number 9779100200 has been launched, and they are getting information related to the selling of drugs in their area. He said that the identity of the caller is not disclosed to anyone, but exemplary action is taken against drug smugglers.

Lalu Prasad Yadav hospitalised due to high sugar levels

Agency: Former Bihar Chief Minister Lalu Prasad Yadav, 76, was hospitalised on Wednesday after his health deteriorated while he was on his way to the Patna airport to fly to Delhi. The RJD chief, who was to board an Air India flight at 4.05 pm, has been admitted to Paras Hospital. Sources said the health of Lalu Prasad, who is battling heart-related ailments, worsened due to a spike in blood sugar levels. The RJD chief is likely to be taken to AIIMS, Delhi, in an air ambulance later today.

"We knew that his blood pressure and sugar level were fluctuating. He is going to Delhi, and he will return after a check-up. There is no need to worry. The blessings of 13 crore people of Bihar are with him. He is one who always fights against communal forces... he is required," RJD leader Bhai Virendra told reporters. Last year, Lalu Prasad underwent angioplasty at Mumbai's Asian Heart Institute. In 2014, he underwent six-hour-long aortic valve replacement surgery at the same hospital. He was admitted to AIIMS in Delhi in July 2024 after his health deteriorated.

In December 2022, the former Chief Minister underwent kidney transplant surgery in Singapore. His younger daughter, Rohini Acharya, donated her kidney to him. The socialist leader, known for his quirky style and mass appeal, is serving jail sentences in a number of fodder scam cases, and is out on bail on medical grounds. The RJD supremo, his wife Rabri Devi, and son Tejashwi Yadav have also been named in the land-for-jobs case. Lalu Prasad has been accused of giving jobs in the railways during his tenure as minister in lieu of plots of land from the candidates or their relatives.

Let my team sleep please- Sam Altman

Agency: ChatGPT's Ghibli-style photo generating capabilities have taken the internet by storm. As more people experiment with this feature, ChatGPT-maker OpenAI's CEO Sam Altman has a request for users. Taking to microblogging site X (formerly Twitter), Altman shared a post asking users to "chill" on generating Ghibli-style images. He wrote "can yall please chill on generating images this is insane our team needs sleep". When a user replied "If you keep nerfing the model, people will stop using it. Otherwise, no", the CEO said "we are gonna do the opposite of nerfing it BUT still please chill out a bit"

"Fire your team and generate a new team," said another user, to which Altman replied "no thanks, in addition to building AGI this team is on trajectory to build the biggest website in the world from a cold start 2.33 years ago, best team in the world, it's just hard".

AI models like Google's Gemini or Grok can also create Studio Ghibli-style visuals- think lush greenery, soft lighting, and expressive characters—provided you're precise with your prompts, such as "a serene Ghibli-style girl with flowing hair under a cherry blossom tree." While the output might differ from ChatGPT's GPT-4o creations, as each model interprets styles uniquely due to differences in training data and algorithms. While ChatGPT's images lean toward photorealistic finesse, Gemini, Grok by Elon Musk-owned AI company xAI -- available through X, or trial-based platforms might produce a slightly more abstract or varied take on Ghibli's charm, requiring some experimentation to nail the vibe. Free platforms like Craiyon, DeepAI, and Playground AI offer AI image generation with varying levels of customization. Simply upload a photo or type a prompt like "portrait in Studio Ghibli style, lush forest background, soft colors," and let the AI work its magic. Again, these tools may not match GPT-4o's photorealistic precision, but they can mimic Ghibli's whimsical aesthetic.